

ੴ



ੴ

ਸ੍ਰੀਮਦ੍ਰਾ-ਸੁਮ੍ਰਸਤ੍ਰਗਵਤ੍ਰ-ਪਰਮ੍ਰਾਗਤ-ਮੁਕਤਾਭਾਸ਼-ਮਵਲ੍ਲਪੀ੦-ਸ੍ਰੀ-ਕਾਝੀ-ਕਾਮਕੇਇ-ਪੀ੦
ਏਗਝੁ-ਸਫ਼ਰਾਟਾਭਾਮਿ-ਸ੍ਰੀਮੰਮ੍ਰਾਨਮਾ

ਸ੍ਰੀਮਤ੍ਰਾ-ਸਫ਼ਰ-ਗਵਤ੍ਰ-ਮਰੁਮ੍ਰਾਨਮਾਵਲਿ:

1. ਸ੍ਰੀਗੁਰਵੇ ਨਮ:
2. ਸੁਮ੍ਰਸਤ੍ਰਗਵਤ੍ਰ ਨਮ:
3. ਮ੍ਰੇਥਮੇ ਨਮ:
4. ਮਾਤ੍ਰਾਥ ਨਮ:
5. ਏਥਾਨਿਥੇ ਨਮ:
6. ਏਥਾਥ ਨਮ:
7. ਤਿਤਿਥਵੇ ਨਮ:
8. ਏਥ੍ਰਾਥ ਨਮ:
9. ਤ੍ਰੁਥੁਕਮ੍ਰੇ ਨਮ:
10. ਮਮਾਫਿਤਾਥ ਨਮ:
11. ਏਥ੍ਰਾਥ ਨਮ:
12. ਥਤ੍ਰਿਥਾਥ ਨਮ:

13. મ્હુળાચ નમઃ
14. ણિરત્તુનાચ નમઃ
15. ણાપલાચ નમઃ
16. ણુરમ્પેટ્ટુચ નમઃ
17. ણરિત્તુકેવિટ્ટાચ નમઃ
18. ણુરુચ નમઃ
19. મ્હિમેલિમ્માચ નમઃ
20. મિલાચ નમઃ
21. મુમ્પ્પેળકાચ નમઃ
22. વમિતે નમઃ
23. વિમ્મિમ્મરાચ નમઃ
24. મ્માપ્પાચ નમઃ
25. મ્મમ્મલ્લાચ નમઃ
26. મ્મલ્લકુટ્ટે નમઃ
27. મ્મીપિતે નમઃ
28. મ્મુત્તાદિધિરુચ નમઃ
29. મ્મવૈમાચ નમઃ
30. મ્મલ્લાદિલાચ નમઃ
31. મ્મલ્લામ્મલ્લાચ નમઃ
32. રુલાચ નમઃ
33. રુમ્માચ નમઃ
34. રુરાચ નમઃ
35. મ્મુગ્ગાચ નમઃ

36. મન્વાય નમઃ
37. રૈમાનાય નમઃ
38. રૈશ્વરાય નમઃ
39. મૈત્રેયાય નમઃ
40. ધૃષ્ટિકૃતે નમઃ
41. મુખ્યાય નમઃ
42. મિત્રાય નમઃ
43. મુલ્લાયે નમઃ
44. મુરતિટાય નમઃ
45. મામૃતાય નમઃ
46. મૈત્રેયનાય નમઃ
47. મિત્રૈયેનિષેવિટાય નમઃ
48. મૈત્રાય નમઃ
49. મુખ્યમૃતનૈ નમઃ
50. મૈત્રેય નમઃ
51. પૈત્રેય નમઃ
52. અગ્રદૃતેય નમઃ
53. મૈત્રેય નમઃ
54. મિત્રાદૃતૈય નમઃ
55. મામૃતાય નમઃ
56. મહુરતિણાય નમઃ
57. વીરાય નમઃ
58. મુરવિલારિલે નમઃ

59. सुम्भ्रैकृभृतिभते नमः
60. मृपिलाय नमः
61. मृपिलःभृय नमः
62. रुडाङ्गने नमः
63. रुडकुते नमः
64. विरुवे नमः
65. मुल्लकुते नमः
66. मभरीष्टेगिने नमः
67. कलिखीउभृगिड्डाय नमः
68. गुलाःमिने नमः
69. गुलागेकिने नमः
70. विप्लुरद्विःमकुते नमः
71. गुलाय नमः
72. गुलामयाय नमः
73. गुलाय नमः
74. रुगिःाय नमः
75. रुडिकुते नमः
76. वृणाय नमः
77. रुडुङ्गुय नमः
78. रुडिरुते नमः
79. रुडुः नमः
80. रुडैमाय नमः
81. रुडुःवनाय नमः

82. ਰੁਦ੍ਰਾਥ ਨਮਃ
83. ਰੁਦ੍ਰਾਥ ਨਮਃ
84. ਰੁਵਰਿਖਣਿ ਨਮਃ
85. ਰੁਕੁਪ੍ਰਣਾਥ ਨਮਃ
86. ਪਿਨਾਕਰੁਤੋ ਨਮਃ
87. ਮਘਲਾਭੁਜੋ ਨਮਃ
88. ਮਘਰਵਾਯੋ ਨਮਃ
89. ਮਿਤ੍ਰਾਥ ਨਮਃ
90. ਮਾਤ੍ਰਾਥ ਨਮਃ
91. ਮਧਵੋ ਨਮਃ
92. ਮੁਨਥੋ ਨਮਃ
93. ਮਨਾਤੋਯੋ ਨਮਃ
94. ਮਨਿਤਵਾਯੋ ਨਮਃ
95. ਸ਼ਲਫ਼ਾਥ ਨਮਃ
96. ਸ਼ਮਲਾਥ ਨਮਃ
97. ਸ਼ਨਯਾਥ ਨਮਃ
98. ਸ਼ਲਾਥ ਨਮਃ
99. ਸ਼ਲੈਖਣਮੁਕੁਥਾਥ ਨਮਃ
100. ਸ਼ੁਟ੍ਰੁਵੋ ਨਮਃ
101. ਸ਼ੁਟ੍ਰੁਮੰਧਾਥ ਨਮਃ
102. ਸ਼ੀਲਿਨੋ ਨਮਃ
103. ਸਿਵਗੁਰੁਪ੍ਰਥਾਥ ਨਮਃ
104. ਸ਼ੁਟ੍ਰੁਭ੍ਰਮੁਪ੍ਰਥੈ ਨਮਃ

105. મિત્રાય નમઃ
106. પરાક્રમાય નમઃ
107. રૂપિંમદ્દેવિવમુખવૃદ્ધાય નમઃ
108. ઉદ્ધરણિયે નમઃ
109. મટુરુપાય નમઃ
110. કાલણીનનાય નમઃ
111. મુદ્ધયાય નમઃ
112. વિદ્યુપતયે નમઃ
113. વદૈ નમઃ
114. વૈદ્યે નમઃ
115. વિન્દ્યાય નમઃ
116. પ્રલિકાપિયાય નમઃ
117. મીમારુદ્ધિગારુદ્ધાય નમઃ
118. મૃદેણિયે નમઃ
119. મિત્રેમિકાય નમઃ
120. મીમાપાય નમઃ
121. મીળાય નમઃ
122. મુખિલ્ નમઃ
123. મામિરુ નમઃ
124. મુળયે નમઃ
125. ઉદ્ધલાય નમઃ
126. માળવૈ નમઃ
127. મૃચમે નમઃ

128. मंविचंमवै नमः
129. मरिण्डपुत्रविगुणाय नमः
130. गुरुगुरुवृणलवृपुममृममृउवै नमः
131. मृमृमृय नमः
132. मंयमिने नमः
133. पृथिलि नमः
134. मंभारगुगउदुगय नमः
135. मृत्तिपुत्रे नमः
136. मृदुगैविनुय नमः
137. पृथिगुय नमः
138. पृपुमङ्गुवै नमः
139. मृभेमिने नमः
140. निगभात्रुल्लय नमः
141. एकाननूरभाङ्गकाय नमः
142. मीरुमउवृपृउ नमः
143. एकमृय नमः
144. कषायरुत्रे नमः
145. रुकुपुपुममृगुय नमः
146. गैविनुगवद्विवाय नमः
147. रुमिभरुद्वगारिलि नमः
148. मृपृगैरुपमृय नमः
149. भाउङ्गमीभरुदेवीवैकुभृपिउमनुताय नमः
150. वडिडीरुमिपुटुममृयपुवगुकाय नमः

151. ग॒रु॒रा॒य॒व॒व॒वा॒ग्रा॒दि॒ने॒ न॒मः
152. ग॒रु॒मि॒धृ॒प॒री॒वृ॒ता॒य॒ न॒मः
153. प॒द्म॒पा॒द॒भ॒न॒ा॒षा॒य॒ न॒मः
154. धै॒ग॒पा॒पु॒रु॒रा॒म॒ला॒य॒ न॒मः
155. मु॒नी॒उ॒लि॒ङ्ग॒कु॒ल॒का॒य॒ न॒मः
156. मु॒न॒तु॒ल॒रु॒री॒गु॒ला॒य॒ न॒मः
157. के॒र॒म॒पु॒ति॒ष्ठा॒त्रे॒ न॒मः
158. ने॒पा॒ल॒व॒र॒लि॒ङ्ग॒कु॒ते॒ न॒मः
159. का॒म्पी॒रा॒दि॒बृ॒वा॒भि॒ने॒ न॒मः
160. द्वा॒दि॒भ॒उ॒प॒ङ्ग॒ना॒य॒ न॒मः
161. मी॒रु॒भि॒गि॒रि॒ना॒षा॒दि॒वि॒बृ॒ह॒उ॒ग॒रा॒य॒ न॒मः
162. भु॒णि॒ये॒ न॒मः
163. रु॒द्रु॒है॒त्रि॒रा॒सू॒त्रा॒य॒ न॒मः
164. ए॒उ॒भ॒ङ्ग॒न॒रा॒उ॒ये॒ न॒मः
165. प॒र॒का॒य॒पु॒त्रे॒मा॒पु॒पा॒स्तु॒म॒रु॒भ॒रा॒ग॒भा॒य॒ न॒मः
166. गु॒ला॒नु॒भि॒रु॒भं॒भु॒व॒ल॒बृ॒ह॒गु॒क॒रा॒भृ॒ए॒य॒ न॒मः
167. भ॒र॒भृ॒डी॒ए॒वा॒पु॒त॒व॒डी॒श्व॒र॒भृ॒रे॒श्व॒रा॒य॒ न॒मः
168. रु॒भु॒भ॒ल॒क॒मे॒वृ॒हृ॒ये॒ न॒मः
169. उ॒ए॒का॒रु॒भु॒मे॒वि॒ता॒य॒ न॒मः
170. मि॒द्रु॒पे॒रु॒भ॒मृ॒हृ॒वृ॒वि॒ता॒हृ॒ये॒ न॒मः
171. गु॒ल्ल॒भृ॒ण॒ये॒ न॒मः
172. उ॒मृ॒ल॒बृ॒गि॒री॒मा॒ङ्ग॒ने॒ न॒मः
173. गै॒री॒का॒त्रा॒य॒ न॒मः

174. गुरुभूतभय नमः
175. गुरुगणय नमः
176. गुलिनै नमः
177. गेपु नमः
178. गेपनाय नमः
179. नराकुतये नमः
180. निम्नभय नमः
181. नराकारुतये नमः
182. नभूय नमः
183. नाषाय नमः
184. निरङ्गनाय नमः
185. निम्नूनाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. निष्टाय नमः
188. नाभरुपविदेकवडे नमः
189. नालीकाय नमः
190. निष्पृयाय नमः
191. नीरुणै नमः
192. निरामिधे नमः
193. निरामयाय नमः
194. नित्रुतये नमः
195. निःश्वणकाराय नमः
196. निःश्वरुक्तये नमः

197. તિરીશ્વરાય નમઃ
198. તીરુપકાચ નમઃ
199. તિરુલ્લય નમઃ
200. તિરુમ્મલ નમઃ
201. તિરુવાય નમઃ
202. વમિતે નમઃ
203. તિલ્લેપાય નમઃ
204. તિરુપુક્કાય નમઃ
205. રુક્માય નમઃ
206. રુક્મણનામ્બાય નમઃ
207. માલ્લારિલ નમઃ
208. મરિણનાય નમઃ
209. મુરયે નમઃ
210. માયક્કુલાય નમઃ
211. યમિતે નમઃ
212. મત્તે નમઃ
213. માટ્ટે નમઃ
214. માટ્ટિકાય નમઃ
215. મટ્ટાય નમઃ
216. મવમિટ્ટાય નમઃ
217. મુરારુકાય નમઃ
218. મમિધ્રાય નમઃ
219. મક્કલિલ નમઃ

220. ઠૃઘમે નમઃ
221. ઠલિતે નમઃ
222. ઠાઘિતે નમઃ
223. મિતેઠ્ઠિતે નમઃ
224. ઠાઠંઘમાઘ નમઃ
225. ઠરિઠ્ઠાઘ નમઃ
226. ઠાપ્ઠાનાપ્ઠાઘિકાપાઠે નમઃ
227. પાઠમાઘ નમઃ
228. પારિઠુઠે નમઃ
229. પ્ઠેઠ્ઠાઘ નમઃ
230. પ્ઠાઠ્ઠાઘ નમઃ
231. પ્ઠીઠાઘ નમઃ
232. પ્ઠિંઘવઠ્ઠાઘ નમઃ
233. પ્ઠાઠ્ઠિતે નમઃ
234. ઠઠુઘેઘિતે નમઃ
235. પ્ઠ્ઠાઘ નમઃ
236. પ્ઠ્ઠનિરુપ્ઠ્ઠાઘ નમઃ
237. પારઠ્ઠાઘ નમઃ
238. પામઠ્ઠાઘ નમઃ
239. પારિઠે નમઃ
240. પ્ઠુઠીઠિઠે નમઃ
241. ઘ્ઠિઠ્ઠાઘ નમઃ
242. ઘ્ઠ્ઠાઘ નમઃ

243. ાકવા઼િતે નમઃ
244. ષ્ઠામ઼ા઼ય નમઃ
245. ધ્રુવે નમઃ
246. ધ્રુવે નમઃ
247. વિરુવે નમઃ
248. મૈત્રિવે નમઃ
249. ધ્રુવકામા઼ય નમઃ
250. ધ્રુવધ્રુવે નમઃ
251. મરુતે નમઃ
252. મરુપા઼ય નમઃ
253. મરુકા઼ય નમઃ
254. પર્મૈ઼દિતિવે નમઃ
255. પર્મૈ઼પદા઼ય નમઃ
256. પર્મૈ઼પદા઼ય નમઃ
257. પર્મૈ઼કા઼ઠાયે નમઃ
258. પર્મૈ઼મૃતૈ નમઃ
259. પર્મૈ઼ગૃતૈ નમઃ
260. પર્મૈ઼ઠકમે નમઃ
261. પર્મૈ઼વધુતે નમઃ
262. પર્મૈ઼વદ્ધત્તે નમઃ
263. પર્મૈ઼પુરે નમઃ
264. પર્મૈ઼વદ્ધત્તે નમઃ
265. પર્મૈ઼ઠા઼વા઼ય નમઃ

266. पुमाकुङ्कने नमः
267. पुमाङ्काय नमः
268. पुल्लनभनभुञ्चे नमः
269. पुमाभु नमः
270. पुट्टगङ्गवते नमः
271. विळ्ळु नमः
272. विम्वक्तु नमः
273. वेण्मे नमः
274. वेळ्वेळ्वुवैरुवाय नमः
275. मट्टवडाय नमः
276. मट्टपराय नमः
277. डिमट्टाय नमः
278. मट्टनायकाय नमः
279. मट्टपुडिङ्गाय नमः
280. मट्टमिषे नमः
281. मट्टङ्गुपेराय नमः
282. मभाय नमः
283. रैळ्ळि नमः
284. मसिळ्ळनळ्ळुपुपाय नमः
285. मळ्ळमङ्गाय नमः
286. मट्टुरुपाय नमः
287. मट्टुमंभुय नमः
288. नगैमाय नमः

312. ण॒कभ॒न॒ष॒प॒ट्टे॒स॒रा॒य न॒मः
313. गु॒ण॒भृ॒णि॒ङ्क॒ला॒ण॒भृ॒ण॒प॒ण॒ना॒य न॒मः
314. क॒ला॒प॒ण॒ना॒य न॒मः
315. क॒भ॒कै॒धृ॒ण॒रा॒क्षी॒रा॒य न॒मः
316. क॒भ॒कै॒दि॒प॒ण॒म॒या॒य न॒मः
317. क॒भ॒ा॒बी॒व॒रि॒व॒भृ॒कृ॒ते न॒मः
318. क॒ल॒रु॒भी॒स्र॒रा॒क्ष॒ना॒य न॒मः
319. क्लृ॒भे॒षा॒न॒भृ॒प॒मै॒षा॒ण॒ल॒मि॒रः॒प॒ण॒य न॒मः
320. णि॒वृ॒य न॒मः
321. णी॒वृ॒सृ॒क्ष॒व॒क्ष॒मे न॒मः
322. णी॒न॒र॒क्षि॒त् न॒मः
323. ण॒रा॒प॒ण॒य न॒मः
324. णै॒व॒णै॒वा॒य न॒मः
325. णी॒न॒ग॒त्र॒वे न॒मः
326. ण॒वि॒डा॒य न॒मः
327. णी॒न॒ट्टै॒वृ॒रु॒ते न॒मः
328. णै॒ध॒ण॒रा॒य न॒मः
329. ण॒धृ॒णि॒प॒वे न॒मः
330. ण॒वा॒मः॒स्रा॒भि॒डा॒य न॒मः
331. ण॒ण॒रा॒य न॒मः
332. ण॒वि॒ण॒ण॒ट्टै॒ध॒ण॒ण॒ट्टा॒णि॒ने न॒मः
333. णै॒ध॒ण॒य न॒मः
334. ण॒ण॒ण॒म॒ना॒य न॒मः

335. दीर्घमित्रे नमः
336. दीर्घमित्राय नमः
337. दीर्घमित्राय नमः
338. दीर्घे नमः
339. दीर्घमित्राय नमः
340. विभूतयै नमः
341. विभूतयै नमः
342. कैलाशमेव नमः
343. गङ्गाय नमः
344. कामरूपाय नमः
345. मङ्गलाय नमः
346. कामरूपाय नमः
347. मङ्गलाय नमः
348. कालीयै नमः
349. मीनै नमः
350. तृणै नमः
351. मेरुकुम्भाय नमः
352. एतान् नमः
353. मङ्गलाय नमः
354. कालीकलाय नमः
355. कलाय नमः
356. मङ्गलाय नमः
357. कलाय नमः

404. ધરુમનીપારદ્વૈ નમઃ
405. ધરુષ્ટાડીતમાનમાય નમઃ
406. ઘટેધાય નમઃ
407. દ્વલ્લયાય નમઃ
408. ઘડનાય નમઃ
409. દ્વત્તદ્વય નમઃ
410. ઘપુનરુદાય નમઃ
411. મુદ્ધાય નમઃ
412. રુદ્ધાય નમઃ
413. પુદ્ધાદ્વૈ નમઃ
414. મિદ્ધાય નમઃ
415. પેદ્ધાય નમઃ
416. મમુદ્ધાય નમઃ
417. મમિદ્ધાય નમઃ
418. પ્તિદ્ધાય નમઃ
419. મારદ્ધાય નમઃ
420. મવમામુદ્ધાય નમઃ
421. મુદ્ધાદ્વૈ નમઃ
422. મુદ્ધાદ્વૈ નમઃ
423. મેદ્ધાય નમઃ
424. મદ્ધાય નમઃ
425. મદ્ધાય નમઃ
426. મદ્ધાય નમઃ

427. ਮਨਮੁਖਯੋ ਨਮਃ
428. ਮਨੁਜੀਯਾਥ ਨਮਃ
429. ਮਨਮਧੁਯੋ ਨਮਃ
430. ਮਾਨਨਾਯੋ ਨਮਃ
431. ਮਨੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
432. ਮਾਥਾਤ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
433. ਸ਼੍ਰੁਤ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
434. ਮਨੁਮਧੁਲਪ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
435. ਮਾਤ੍ਰੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
436. ਥਾਪ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
437. ਰਵੀਨੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
438. ਰੋਨੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
439. ਰਮਯੋ ਨਮਃ
440. ਰਮਿਯੋ ਨਮਃ
441. ਰਾਗਯੋ ਨਮਃ
442. ਮਨੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
443. ਰਾਯੋ ਨਮਃ
444. ਸ਼੍ਰੁਤ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
445. ਨਿਰਮਾਯੋ ਨਮਃ
446. ਮਾਤ੍ਰੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
447. ਕਾਮਤ੍ਰੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
448. ਕਾਤ੍ਰੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ
449. ਮਾਤ੍ਰੁਕ੍ਰਿਯੋ ਨਮਃ

450. भ॒ण॒रा॒णी॒म॒भा॒नि॒ता॒य न॒मः
451. ण्णै॒तिः॒पु॒रै॒म॒वि॒त॒ता॒य न॒मः
452. पा॒रै॒ए॒व॒पु॒र॒भि॒त॒त॒ये न॒मः
453. वि॒रु॒पा॒रु॒भु॒ला॒मे॒वि॒ने न॒मः
454. वि॒ए॒या॒पृ॒पु॒री॒ण॒रा॒य न॒मः
455. वि॒मि॒मा॒मि॒म॒वि॒रु॒त॒त॒ये न॒मः
456. वि॒मृ॒ता॒ष॒प॒मि॒या॒य न॒मः
457. पा॒ए॒ली॒पु॒त्रं॒भू॒ता॒य न॒मः
458. वि॒धू॒पा॒मि॒मे॒व॒ता॒य न॒मः
459. ग॒या॒व॒ए॒भु॒ल॒भू॒य न॒मः
460. रु॒द्र॒म॒ल॒नि॒रु॒मि॒षे न॒मः
461. वृ॒ज्ज॒व॒ता॒तु॒म॒स्र॒रि॒त्ते न॒मः
462. वृ॒भा॒म॒ल॒गि॒ला॒म॒या॒य न॒मः
463. उ॒ङ्क॒र॒कु॒ण्ठ॒वि॒रु॒त॒त॒ये न॒मः
464. भ॒ल्लि॒का॒ल्ल॒न॒भ॒ण्णि॒ये न॒मः
465. मी॒प॒सु॒न॒मि॒प॒सु॒मि॒धृ॒ष॒णि॒ये॒वि॒ता॒य न॒मः
466. म॒ण्णै॒वि॒ल॒गु॒ण॒रा॒भा॒य न॒मः
467. क॒भ॒ला॒खा॒य न॒मः
468. क॒ला॒नि॒ण॒ये न॒मः
469. क॒लि॒पुं॒भि॒ने न॒मः
470. क॒भ॒रु॒पा॒य न॒मः
471. क॒भ॒ण्ण॒रा॒य न॒मः
472. क॒ला॒भ॒या॒य न॒मः

473. परमेश्वर नमः
474. वसुधैव कुटुम्बकम् नमः
475. कामाक्षीमठेश्वर नमः
476. पूज्य नमः
477. पूज्य नमः
478. पूज्य नमः
479. भवतु भवतु भवतु नमः
480. भवतु भवतु नमः
481. नमः भवतु नमः
482. पूज्य नमः
483. सुभक्त नमः
484. नमः भवतु नमः
485. नमः भवतु नमः
486. भवतु नमः
487. नमः भवतु नमः
488. नमः भवतु नमः
489. कालभक्त नमः
490. सुभक्त नमः
491. सुभक्त नमः
492. सुभक्त नमः
493. सुभक्त नमः
494. कामाक्षीमठेश्वर नमः
495. कामाक्षीमठेश्वर नमः

519. કરિકારિવઁકામરુમાઢુતૈરવાય નમઃ
520. મમામિતમુળવાઢુપાઢુકાનિતૃપુણનાય નમઃ
521. નમઃમેધિલ્ નમઃ
522. નામપરાય નમઃ
523. નન્નિતમેધવિહ્વાય નમઃ
524. ળકલ્લિને નમઃ
525. કધાયિને નમઃ
526. મુલ્લિને નમઃ
527. ળલ્લિતમેગડાય નમઃ
528. ળિગમ્ભાલ્લિઢુઃમિહ્મિહ્મિતૃવિનિઢુલ્લય નમઃ
529. મલ્લિકાઢુતૃલ્લનાય નમઃ
530. મલ્લિકાઢુરમાનાય નમઃ
531. કામારિમ્ભુચે નમઃ
532. કુતુકિને નમઃ
533. કમનીચગુલ્લકનાય નમઃ
534. મેમેલ્લુવાત્લીહ્મિપુમેમૃગેવિન્નમેવનાય નમઃ
535. માલિકાપિયળાલ્લુકુરલ્લપુલ્લિતવિગ્લાય નમઃ
536. મ્મટામ્ભવરિઠ્ઠાય નમઃ
537. મિચે નમઃ
538. મિત્કલ્લુલ્લમાય નમઃ
539. મ્મમાય નમઃ
540. મરુદ્વળલ્લમાયિને નમઃ
541. ખલ્લિલ્લુવમ્ભુલ્લનાય નમઃ

542. भूयंविनभूतु बगुमापादि उल्लामनाय नमः
 543. वदुमूलारुकेनुकुनीरभारप्रभपृगाय नमः
 544. मभुल्लुल्लुवदुल्लुल्लुवीवीवनाम्याय नमः
 545. मरुभुगनिवृद्धमरुगीयमुडिभुमाय नमः
 546. मरुभुगुलपवनाय नमः
 547. वभिष्टाय नमः
 548. वगुडाय नमः
 549. वराय नमः
 550. मभीरुवदुभुदुडाय नमः
 551. पंभुनुकुपषाडुगाय नमः
 552. दुभारमीकरमुल्लुल्लुपिष्टुल्लुनक्रियाय नमः
 553. भकरनुगरीभानुभपुगेकुये नमः
 554. भरुकवये नमः
 555. कभुल्लुल्लुकेरीकुउकल्लेलिनीगगाय नमः
 556. मभुल्लुल्लुक्रिजंमुकाडुनीरगभुडुये नमः
 557. वेलाणभवृल्लुभुदुये नमः
 558. भुउमल्लुवीवनेल्लुय नमः
 559. भरुवृणिप्सभनाय नमः
 560. भल्लुय नमः
 561. भुगवमृकुडे नमः
 562. एरुकुल्लुल्लुमभुधिल्लु नमः
 563. लउपुपुकुउल्लुनाय नमः
 564. भौवभिकुल्लुल्लुय नमः

565. भौपभृष्टिककैमिकाय नभः
566. भौप्राष्टिकककैलाय नभः
567. भौपाभनिकपत्रगाय नभः
568. भौपगायनकुम्भिकाय नभः
569. भौवाडिष्टिकपुष्पलिकै नभः
570. भौवागडिकमातुलाय नभः
571. भौपेन्द्रिकवृष्टिकाय नभः
572. भौभ्राडिकपुम्बविकाय नभः
573. भौवहृष्टनिकाभृष्टाय नभः
574. भौवीष्टिकवातुलाय नभः
575. भौवनाडिकपूमाय नभः
576. भौवामिडिकपञ्चाभृष्टाय नभः
577. भौवत्रुमिकवातुमाय नभः
578. भौविनामिकभट्टेष्टाय नभः
579. भौवपृष्टिकउत्तुष्टाय नभः
580. भौपृष्टिककातुष्टाय नभः
581. भौमाकुनिकभौकलाय नभः
582. भौवापीडिकवेमष्टाय नभः
583. भौष्ट्रिकल्लैगुष्टाय नभः
584. भौविलिष्टिकहुष्टाय नभः
585. भौवभृष्टपष्टाय नभः
586. भौष्ट्रिकरुष्टाय नभः
587. भौवणीडिकगातुष्टाय नभः

588. ਮੈਮੰਵਿਥਿਕਗੋਪੁਸ਼ਾਥ ਨਮ:
589. ਮੈਵੁਜ਼ੀਤਿਕਕੈਕਿਲਾਥ ਨਮ:
590. ਮੈਪਪੁਸ਼ਿਕਸ਼ਾਵਿਠੋ ਨਮ:
591. ਮੈਵਾਫ਼ਿਕਮਿਵਾਕਰਾਥ ਨਮ:
592. ਮੈਗਤਿਕਤੁਖਾਗੰਸਵੈ ਨਮ:
593. ਮੈਥਾਮਿਕਮਿਵਾਨਿਸਾਥ ਤਮ:
594. ਸ਼ਵਾਠੋ ਨਮ:
595. ਸ਼ਕਾਥਾਥ ਨਮ:
596. ਸ਼ਮਿਤੁਥਾਥ ਨਮ:
597. ਸ਼ਮਿਥੋ ਨਮ:
598. ਸ਼ੈਤਤਮੇਰਵਥੈ ਨਮ:
599. ਖਜ਼ੁਥਾਥ ਨਮ:
600. ਮਪੁਰਜ਼ੀਮੁਸ਼ਾਸ਼ਮਿਥੋ ਨਮ:
601. ਸ਼ਮੁਮਿਸ਼ਿਮਤੋ ਨਮ:
602. ਤੁਰਮੁਥੈ ਨਮ:
603. ਠਤੁਰਜਮੁਰਥੈ ਨਮ:
604. ਰੁਸ਼ਿਵੈਥਿਤੋ ਨਮ:
605. ਸ਼ੀਨਵਾਵਰਾਸ਼ਾਮਿਵਿਸ਼ੁਠਾਥਾਥ ਨਮ:
606. ਸ਼ਮਸਾਥ ਨਮ:
607. ਸ਼ਲਾਥਾਥ ਨਮ:
608. ਰੁਸ਼ਿਕਾਸ਼ਿਨੀਲਪਮੁਪਿਤੁਚੈਨੁਸਾਪਰਾਥ ਨਮ:
609. ਨਿਜ਼ਰਾਥ ਨਮ:
610. ਤੁਮੁਕਮੈਥਾਥ ਨਮ:

- [illegible]

634. ਗੋਮਤੀਤੀਰੁਮੋਵਨਾਥ ਨਮਃ
635. ਖ਼ਰੁਪਰੁਧਰਾਏਟ ਪਦਮਪਾਦਨਿਦਿਸਕੁਤੇ ਨਮਃ
636. ਸੁਸ਼ਮਿਲ ਨਮਃ
637. ਤਤ੍ਵਮਭ੍ਰਾਮਿਮਕਾਵਾਕ੍ਰੁਰੁਪਵਤੇ ਨਮਃ
638. ਐਤਿਧੁੰਕਰਾਥ ਨਮਃ
639. ਐਤਿਧੁਤੀਪੀਨਿਦਿਸਕੁਤੇ ਨਮਃ
640. ਗਦਟਸ੍ਰਮਮੰਭ੍ਰਾਨਾਥ ਨਮਃ
641. ਸ਼ਲਕਨਜ਼ੁਵਗਾਰੁਨਾਥ ਨਮਃ
642. ਸੁਬਵਲ੍ਲਾਙ੍ਗਿਰੇਵੇਦਿਨੇ ਨਮਃ
643. ਸ੍ਰੀਪੁਲਾਗਿਰਿਮੋਵਕਾਥ ਨਮਃ
644. ਗੋਵਰ੍ਧਨਮਹੀਨਾਥਾਥ ਨਮਃ
645. ਗਿਰਿਥੇਗਪਏਸ੍ਥਾਥ ਨਮਃ
646. ਪੁਰੁਖੇਤ੍ਰੁਮਮਙ੍ਗੇਤ੍ਰਿਲ ਨਮਃ
647. ਵਿਮਲਾਪੀਠਕਲ੍ਪਕਾਥ ਨਮਃ
648. ਸਤ੍ਰਾਨਜ਼ੁਥ ਨਮਃ
649. ਸਤ੍ਰੇਐਸ਼ੇ ਨਮਃ
650. ਦਿਸ਼ੇਨ੍ਰਿਥਵਿਨਿਗ੍ਰਥਾਥ ਨਮਃ
651. ਸ੍ਰੀਤੁਨ੍ਰਿਲਿਤਦਿਸ਼ੇਸ੍ਰੀਦਸ੍ਰਮਙ੍ਗਿਰਿਸ੍ਥਿਲ ਨਮਃ
652. ਸਾਰਦਾਵਤਨਾਧ੍ਰਾਤ੍ਰਾਧ੍ਰਾਪੀਠਾਧਿਰੇਥਲ੍ਲਾਥ ਨਮਃ
653. ਰਾਮਾਨ੍ਰਪੁਰਥੇਤ੍ਰਿਲ ਨਮਃ
654. ਤੁਲ੍ਲਾਦ੍ਰੁਤਏਸ੍ਥਿਲ ਨਮਃ
655. ਵਰਾਹਦੇਵਤਾਮਾਰਸਾਰਦਾ ਕ੍ਰਿਥਸਕ੍ਰਿਤੁਤੇ ਨਮਃ
656. ਰੁਤਿਵਾਰਿਲ ਨਮਃ

657. कृष्णयस्त्रैमिने नमः
658. मीरारतीपद्मय नमः
659. विरुङ्काणिष्ठानभूमलकानिकरैर्ममै नमः
660. विरुपाक्षभक्तदेवभक्तनीचपद्मसूयाय नमः
661. भनीधिभङ्गलीभातृभौलाभायभक्तगुरवे नमः
662. प्राप्तापुत्रीप्राक्प्रेप्तीप्राभायादिभक्तिकाय नमः
663. प्राप्ताभायभक्तिभुक्तभूमलकभंभुताय नमः
664. पुत्रीप्राभायभक्तैर्मननन्तिउभनन्ताय नमः
665. श्रवाप्राभायनिधिपुपुष्पीणरनताङ्गिकाय नमः
666. उप्तीप्राभायएनन्तनन्तिगिरिदिवन्तिताय नमः
667. कामकेलीपी०पउये नमः
668. कभ्रवैगवतीगराय नमः
669. एकभ्रवाघगराभरैरुभप्रवृत्ताय नमः
670. कामाक्षीगराभ्रवृत्तापद्मकाञ्चनउद्गराय नमः
671. एवैरुद्गने नमः
672. परवृद्धवृत्तापनणीरणिषे नमः
673. भट्टवृत्तभाप्राउकाङ्कुरितविगुलाय नमः
674. भवत्प्री०प्राप्रेरुत्पुमावृद्धभंसवाय नमः
675. भुरैश्वरादिभक्ताभ्रमभारणितपाद्मकाय नमः
676. भीमाभास्यपासी०य नमः
677. का०पद्मपद्मप्रविदे नमः
678. श्रद्धिमदायुःकलिउद्दिपद्मि०रुत्ताय नमः
679. सुमेतुक्तिभैलातुण्डभूपनदिमिकाय नमः

680. विष्टुवमीकुडमेधमविष्टुनमिडा य नमः
681. एगङ्गुवे नमः
682. एगट्टेनये नमः
683. माभूयेनये नमः
684. मभवयिने नमः
685. मृष्टमृष्टद्वलिङ्गिने नमः
686. भाङ्गुयेगविभक्तुते नमः
687. वैयाकरणीमेणिने नमः
688. वभिष्टु य नमः
689. ककुगभृग य नमः
690. गेउभीयवमेभुम्बिल्ल नमः
691. वैमेधिकभट्टपरा य नमः
692. मेष्टेन्निभट्टेङ्गम्बिने नमः
693. ऐभिनीयकुम्बिष्टुते नमः
694. णिगभृगयत्तुष्टा य नमः
695. वृभुपामुपउत्थि य नमः
696. सुत्तुङ्गवन्निष्टुते नमः
697. णिउत्तुगवत्तुगभा य नमः
698. विनेन्निम्बिउत्तुष्टुयगभीरुष्टुते नमः
699. वृष्टुउत्तुवत्तुगिडा य नमः
700. विष्टुम्बिष्टुविमरट्टा य नमः
701. भिउत्तुभीभाविष्टुगल्ल य नमः
702. प्लवाङ्गुपुक्कामका य नमः

703. मंभारउड्मङ्गवडे नमः
 704. भाषाउड्मङ्गपङ्गव नमः
 705. मभलाविष्टकापृरेपेन्मलनविमङ्गव नमः
 706. मंभारउरङ्गपायमन्मनपणिष्ठवागे नमः
 707. रमिकाङ्गाङ्गनकभलावाकुमभङ्गुडे नमः
 708. प्रणिपूणाभरुकमउल्लेकीभलाकवये नमः
 709. रङ्गभङ्गमिपागीउपङ्गावरुधुडे नमः
 710. पृष्टुङ्गैङ्गैणप्रमिने नमः
 711. भेलाप्रमङ्गकाय नमः
 712. निरुङ्गउभायमिरेनिगङ्गीलनाय नमः
 713. वेङ्गुवनरुट्वाय नमः
 714. उड्गङ्गनमङ्गेणये नमः
 715. उङ्गङ्गव नमः
 716. उङ्गङ्गीङ्गाय नमः
 717. उङ्गापडिमभङ्गवये नमः
 718. उङ्गकङ्गउड्गङ्गव नमः
 719. उपङ्गिने नमः
 720. उपङ्गाङ्गाय नमः
 721. उपङ्गविनिङ्गङ्गाय नमः
 722. नलिनेङ्गिनिगङ्गुडे नमः
 723. मलङ्गुडिने नमः
 724. मङ्गिभाङ्गुमिने नमः

725. सुद्धविट् नमः
 726. रुद्धविट् नमः
 727. रुद्धविट् नमः
 728. रुद्धविट् नमः
 729. भ्राणिष्ठनस्त्रितकस्त्रिगाय नमः
 730. कृतपुष्टभुलीयाय नमः
 731. उक्ताभयारुद्धविट् नमः
 732. कैवल्यविट् नमः
 733. सुद्धभानमतीरुकाय नमः
 734. भुमेरुभलमस्तारित् नमः
 735. भायामक्तिविरावनाय नमः
 736. भट्टनारिण कृतानि नमः
 737. शपथननुभक्तिभट्टे नमः
 738. भेदमिवेदवाकृमि नमः
 739. पुष्टगाभयवेदनाय नमः
 740. निरस्तैस्त्रिभवेति नमः
 741. मीकराय नमः
 742. मभूयारुद्धे नमः
 743. विष्टपी०भरुवेगिने नमः
 744. परभाङ्गभाम्याय नमः
 745. त्रिपुलीतीरुविरुद्धे नमः
 746. वेगविट् नमः
 747. मीविष्टमक्तिरूपनाय नमः

771. કુલ્મ્ભાય નમઃ
772. શ્વરાય નમઃ
773. ઉદ્ધ્માય નમઃ
774. પરાક્ષ્ ટુગઠિજાય નમઃ
775. મકલાદ્ગ્નૈ નમઃ
776. શ્વકલાય નમઃ
777. પુરવૈ નમઃ
778. પુરુષાય નમઃ
779. પુષ્કલાય નમઃ
780. પુલ્લાય નમઃ
781. મટ્ટમાશ્વાય નમઃ
782. પુરાતનાય નમઃ
783. ઐગયૈગિનૈ નમઃ
784. યૈગઐગિનૈ નમઃ
785. સુવનાદ્ગ્નૈ નમઃ
786. વનૈઽગાય નમઃ
787. સુતિકૃતૈ નમઃ
788. સુતિમાય નમઃ
789. સુટાય નમઃ
790. સુરિમાય નમઃ
791. સુતરાવૃકાય નમઃ
792. યજ્ઞસુતૈ નમઃ
793. યજ્ઞસાલ્મભૂમ્યાયપ્રવરુકાય નમઃ

794. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
795. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
796. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
797. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
798. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
799. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
800. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
801. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
802. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
803. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
804. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
805. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
806. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
807. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
808. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
809. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
810. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
811. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
812. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
813. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
814. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
815. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः
816. मङ्गलमङ्गलमङ्गल नमः

817. न॒मीन॒म्भर॒भीङ्ग॒ भ्रा॒व॒पा॒वि॒उ॒वि॒ग्ग॒रा॒य न॒मः
818. प॒रि॒ःउ॒वा॒उ॒पा॒रि॒ःउ॒प॒मे॒ध॒प॒रि॒ःउ॒रा॒य न॒मः
819. उ॒द्ग॒म्ग॒प॒क॒ए॒ना॒य न॒मः
820. इ॒भ॒म्ग॒वि॒वे॒क॒कु॒ते न॒मः
821. नि॒ट्ट॒न॒नु॒य न॒मः
822. नि॒रा॒ल॒भा॒य न॒मः
823. नि॒र॒वा॒य न॒मः
824. नि॒पि॒ले॒क॒रा॒य न॒मः
825. नि॒ट्ट॒णि॒ये न॒मः
826. नि॒ट्ट॒म॒ङ्ग॒ल॒य न॒मः
827. नि॒णि॒भा॒य न॒मः
828. नि॒र॒वि॒ट्ट॒का॒य न॒मः
829. नि॒ट्ट॒वा॒भि॒ने न॒मः
830. नि॒ट्ट॒मु॒ण॒ये न॒मः
831. नि॒ल॒वा॒य न॒मः
832. नि॒ग॒भा॒रि॒ञ्चे न॒मः
833. नि॒र॒ङ्ग॒ना॒य न॒मः
834. नि॒ट्ट॒प॒रु॒य न॒मः
835. नि॒ट्ट॒भृ॒ङ्गा॒य न॒मः
836. नि॒री॒श्व॒रा॒य न॒मः
837. नि॒धृ॒ते न॒मः
838. नि॒धृ॒उ॒ये न॒मः
839. निः॒धृ॒या॒य न॒मः

840. નિધુઁય નમઃ
841. નિપિલલલમહુવે નમઃ
842. પૂરીમાય નમઃ
843. પૂઘગાય નમઃ
844. પૂઘય નમઃ
845. પૂઘનામિતે નમઃ
846. પૂઘપિયાય નમઃ
847. વિપૂઘુઘીઘય નમઃ
848. વિઘ્ઘમાય નમઃ
849. મીવિઘ્ઘધેઘમીઘુઘવે નમઃ
850. લઘ્ઘૈ નમઃ
851. લઘ્ઘાય નમઃ
852. લઘ્ઘ્ઘય નમઃ
853. લઘ્ઘ્ઘ્ઘય નમઃ
854. લમઘ્ઘ્ઘય નમઃ
855. ઘ્ઘીમઘે નમઃ
856. ઘ્ઘમગઘઘે નમઃ
857. ઘ્ઘમાય નમઃ
858. ઘ્ઘમઘ્ઘેઘઘ્ઘ્ઘ્ઘય નમઃ
859. ઘ્ઘમમઘ્ઘ્ઘ્ઘ્ઘ્ઘ્ઘ્ઘય નમઃ
860. ઘ્ઘમલ્ઘ્ઘય નમઃ
861. ઘ્ઘપિયાય નમઃ
862. ઘ્ઘમઘ્ઘમઘ્ઘય નમઃ

863. ਕਾਮਕੁਮਲਾਥ ਨਮ:
864. ਕਾਨਿਵਫ਼ਿਰੁਣਿ ਨਮ:
865. ਮਛੁਥ ਨਮ:
866. ਮਛਾਪਤਥੈ ਨਮ:
867. ਖ਼ਾਮਿਨੈ ਨਮ:
868. ਮਛੁਤਥੈ ਨਮ:
869. ਮਛੁਵਾਪਥਾਥ ਨਮ:
870. ਸ਼ੀਵੋਰਸੀਤਲਖ਼ਾਤੁਥ ਨਮ:
871. ਸ਼ੀਮਤੀਕਾਰਿਤਾਤੁਥਾਐ ਨਮ:
872. ਲਭਿਤਮੋਖਮਤੁਥਾਥ ਨਮ:
873. ਲਭਕੈਥੁਥਾਥਾਥ ਨਮ:
874. ਲਲਿਤਾਥਾਥ ਨਮ:
875. ਲਥਥੁਥੈ ਨਮ:
876. ਲਥੁਥਾਥ ਨਮ:
877. ਲਥੁਥੁਥਾਥ ਨਮ:
878. ਕਥੁਥੁਥਾਥ ਨਮ:
879. ਕਲਿਥੁਥਾਥੈ ਨਮ:
880. ਕਲੁਥੁਥਾਥੈ ਨਮ:
881. ਕਲਥੁਥਾਥੈ ਨਮ:
882. ਕੁਥਿਤਾਤੁਥਾਥਾਥ ਨਮ:
883. ਕੁਥਾਥ ਨਮ:
884. ਕੁਥੁਰਮੋਵਿਤਾਥ ਨਮ:
885. ਥਾਗਵਿਥੈ ਨਮ:

886. યૈગવિદિ નમઃ
887. યુક્તુય નમઃ
888. યમૈદ્દાય નમઃ
889. યમપિયાય નમઃ
890. ડહ્કરવૃત્તિવૃગ્ગાય નમઃ
891. નમિડારાતિમળ્લાય નમઃ
892. નાગમૈલમિરક્ષારિત્ત્વ નમઃ
893. રામગિદ્દામ્ભામ્ભાય નમઃ
894. વાઙ્ગિડાપ્પુદ્દાય નમઃ
895. મદ્વાય નમઃ
896. મ્મદ્વીનાય નમઃ
897. મેદ્દમેદ્દાય નમઃ
898. યડિદ્દાવિવૈકલ્લય નમઃ
899. યડિદ્દાય નમઃ
900. યડિદ્દાય નમઃ
901. ડહ્કરિત્ત્વ નમઃ
902. વિડિદ્દાવિવૈકલ્લય નમઃ
903. કૃપાનિદ્દાય નમઃ
904. યત્તૈ નમઃ
905. યડિદ્દાય નમઃ
906. યમ્ભૈય નમઃ
907. યલ્લક્ષ્મય નમઃ
908. યલ્લક્ષ્મય નમઃ

909. यल्लय नमः
910. यल्लपउयै नमः
911. यल्लनै नमः
912. यल्लरुवै नमः
913. यल्लरावनाय नमः
914. कृपादिउकगलभूय नमः
915. विप्रभुविण्णै नमः
916. मङ्गलभूवै नमः
917. निपिलक्कुउलाणाट्टय नमः
918. पाधल्लभउपल्लनाय नमः
919. प्तिष्ठपकभुत्तनाय नमः
920. भउद्धयभल्लनयाय नमः
921. परिक्खण्णकण्णवैट्ठि नमः
922. मन्तुण्णै नमः
923. मन्तुण्णनाय नमः
924. भुत्ताय नमः
925. भुत्तुय नमः
926. भट्टभूय नमः
927. भट्टराय नमः
928. भनैभयाय नमः
929. मात्ताय नमः
930. मुरुक्कराय नमः
931. मुक्काय नमः

932. ਸੁਰਾਥ ਨਮਃ
933. ਮੈਕਵਿਵਲਿਤਾਥ ਨਮਃ
934. ਠਿਭਵੈ ਨਮਃ
935. ਤਰਭਵੈ ਨਮਃ
936. ਭਮਿਤ੍ਰੈ ਨਮਃ
937. ਸ਼ਭਤਥੈ ਨਮਃ
938. ਮਾਭਤਾਤ੍ਤਨਾਥ ਨਮਃ
939. ਰਾਯਰਾਯਤ੍ਤਿਤਾਥ ਨਮਃ
940. ਰਾਯੁਥ ਨਮਃ
941. ਰਾਯਕਾਥ ਨਮਃ
942. ਰਾਯਮਿਤ੍ਰੈ ਨਮਃ
943. ਰਾਯਾਥ ਨਮਃ
944. ਰਾਯਾਥ ਨਮਃ
945. ਰਾਯਾਥਿਨੈ ਨਮਃ
946. ਰਾਯਤ੍ਤਿਨਿਕੇਤਨਾਥ ਨਮਃ
947. ਸ਼ਮੁਲਾਥ ਨਮਃ
948. ਸ਼ਨਾਥੈ ਨਮਃ
949. ਰੁਖਾਥ ਨਮਃ
950. ਮਨਵੈ ਨਮਃ
951. ਮੋਧਾਥੈ ਨਮਃ
952. ਮਨਮਨਮੈ ਨਮਃ
953. ਮਨੁਪਾਥ ਨਮਃ
954. ਮਨੁਪੁਥ ਨਮਃ

955. ग॒रुमी॒द्वय॑ न॒मः
956. ग॒रुपि॒याय॑ न॒मः
957. ना॒त्रुःपू॒ल्लय॑ न॒मः
958. न॒पू॒ल्लय॑ न॒मः
959. न॒ग॒न्निःपू॒ल्लय॑ न॒मः
960. ना॒पू॒ल्लय॑ न॒मः
961. पू॒ल्लन॒भना॑य न॒मः
962. वि॒ल्लना॒ङ्गने॑ न॒मः
963. वि॒ला॒मकु॑टे न॒मः
964. पि॒यापि॒वभू॒जली॑नाय न॒मः
965. म॒भु॒ताय॑ न॒मः
966. मु॒का॒म॒रु॒वते॑ न॒मः
967. म॒रु॒भये॑ न॒मः
968. म॒ए॒लाय॑ न॒मः
969. म॒न॒ग॒ये न॒मः
970. म॒वा॒यवे॑ न॒मः
971. म॒न॒भृ॒गाय॑ न॒मः
972. म॒गा॒ह्राय॑ न॒मः
973. म॒रु॒मु॒काय॑ न॒मः
974. म॒मे॒त्रे न॒मः
975. मे॒त्रे न॒मः
976. क॒त्रे न॒मः
977. म॒क॒रु॒काय॑ न॒मः

978. ઘગઝાચ નમઃ
979. ઘરમકાચ નમઃ
980. ઘરુપાચ નમઃ
981. ઘમ્મકાચ નમઃ
982. ઘમ્મકાચ નમઃ
983. મઘ્મકાચ નમઃ
984. મઘ્મકાચ નમઃ
985. ઘમ્મકાચ નમઃ
986. ઘમ્મકાચ નમઃ
987. મઘ્મકાચ નમઃ
988. ઘમ્મકાચ નમઃ
989. પ્ઘમ્મકાચ નમઃ
990. ાકાચ નમઃ
991. ઘનૈકાચ નમઃ
992. કેવલાઘ્મકાચ નમઃ
993. મઘ્મકાચ નમઃ
994. મંભારમેઘકાચ નમઃ
995. નિટુમ્મકાચ નમઃ
996. નિટુમ્મકાચ નમઃ
997. નિટુમ્મકાચ નમઃ
998. નિટુમ્મકાચ નમઃ
999. નાટુવિટુમ્મકાચ નમઃ
1000. રુઠુરુઠુમ્મકાચ નમઃ



மீமம்-மஹா-கவக-மஹா-மஹா (மஹா-மஹா)

1. மீமம் — மீ குருவே நமஸ்காரம்
2. மஹா-மஹா — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. மீமம் — உயர்ந்தவர்
4. மஹா — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. மஹா-மஹா — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. மஹா — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. மீமம் — பொறுமை உடையவர்
8. மஹா — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்
9. மீமம் — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்
10. மஹா-மஹா — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. மஹா — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. மீமம் — மனதை அடக்கியவர்
13. மஹா-மஹா — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. மீமம் — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. மஹா-மஹா — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. மஹா-மஹா — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. மீமம்-மீமம் — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. மஹா — திறமைசாலி
19. மீமம்-மீமம் — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்

20. மிவ: — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. முஹூரக: — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. வமீ — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. விஷ்ணு: — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. ஹ்ரு: — சிறந்தவர்
25. ஹ்ரு: — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. ஹ்ரு: — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. ஹ்ரு: — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. ஹ்ரு: — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. ஹ்ரு: — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. ஹ்ரு: — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. ஹ்ரு: — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும்) உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்
32. ஹ்ரு: — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. ஹ்ரு: — அழகையைப் போக்குபவர்
34. ஹ்ரு: — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. ஹ்ரு: — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. ஹ்ரு: — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. ஹ்ரு: — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. ஹ்ரு: — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. ஹ்ரு: — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. ஹ்ரு: — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. ஹ்ரு: — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்

42. ஸு: — உறுதியாக இருப்பவர்
43. ஸு: — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. ஸு: — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. ஸு: — என்றும் இருப்பவர்
46. ஸு: — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. ஸு: — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. ஸு: — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. ஸு: — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. ஸு: — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. ஸு: — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. ஸு: — உலகுக்கு தலைவர்
53. ஸு: — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. ஸு: — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. ஸு: — சிவனை வழிபடுபவர்
56. ஸு: — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. ஸு: — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. ஸு: — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புவவர்
59. ஸு: — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. ஸு: — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. ஸு: — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. ஸு: — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. ஸு: — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்

64. விநு: — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. சூரநா — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. சம்பரீட்சி — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. கலிநிபுரநி: — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. ருநி — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. ருநி — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. விநுநிபுரநி: — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. ருநி: — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்
72. ருநி: — (ஹ்ருதய) குறையில் உறைபவர்
73. ருநி: — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. ருநி: — அள்ளி வழங்குபவர்
75. ருநி: — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. ருநி: — அறிஞர்
77. ருநி: — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. ருநி: — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. ருநி: — உலகைக் காப்பவர்
80. ருநி: — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. ருநி: — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. ருநி: — மங்களமானவர்
83. ருநி: — மனதிற்கினியவர்

84. ஈஈஈஈ — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. ஈஈஈஈ — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. ஈஈஈஈ — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. ஈஈஈஈ — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. ஈஈஈஈ — இனியன மொழிபவர்
89. ஈஈஈஈ — புன்னகை பூத்தவர்
90. ஈஈஈஈ — மரியாதைக்குரியவர்
91. ஈஈஈஈ — தேனையை (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. ஈஈஈஈ — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. ஈஈஈஈ — பேரொளிபடைத்தவர்
94. ஈஈஈஈ — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. ஈஈஈஈ — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்
96. ஈஈஈஈ — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. ஈஈஈஈ — பாவமில்லாதவர்
98. ஈஈஈஈ — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. ஈஈஈஈ — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. ஈஈஈஈ — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. ஈஈஈஈ — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. ஈஈஈஈ — சீலம் மிகுந்தவர்
103. ஈஈஈஈ — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. ஈஈஈஈ — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. ஈஈஈஈ — மங்களமானவர்

106. பாஹு: — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. ஸ்யம்ஸ்கேரீவமுபயு: — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. ஸ்ரீ: — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. மதுர: — ஸத்ய வடிவினர்
110. காலீஸ்வர: — காலடியில் பிறந்தவர்
111. மஹ: — இரண்டற்றவர்
112. விமூக: — கல்விக்கு தலைவர்
113. வ: — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. வே: — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. மித: — சைதன்ய வடிவினர்
116. மூர்த்தி: — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்
117. மீமாஸுஸா: — மதிப்பிற்குரிய அன்னையால் இல்லறம் (ஏற்கும்படி) வேண்டப்பட்டவர்
118. மீ: — (இல்லறத்தை விட) உயர்ந்ததை மனதில் அசையாது கொண்டவர்
119. மித: — ஆசார்யனை சரணடைந்தவர்
120. மீமா: — (குரு முதன்முறை பார்த்தபோதே ஞானப்) பொலிவுடைய முகமுள்ளவராக (திகழ்ந்தவர்)
121. மீ: — (அப்பொழுதே ஞான) லக்ஷ்மியைத் தாங்குபவராக (விளங்கியவர்)
122. மூ: — (உலகோருக்கு வழிகாட்டுவதற்கான) தேஜஸ்ஸைக் கொண்டவராக (குருவால் காணப்பட்டவர்)
123. மாமி: — (சாஸ்த்ரத்தின்) உத்தரவை போதிப்பவர்
124. மு: — தூயவர்
125. ஸ்ரீ: — (தேஜஸ்ஸால்) மிகவும் ஜ்வலிப்பவர்

126. மஹா: — (பிறரின் நன்மையை) ஸாதித்துக்கொடுப்பவர்
127. மூலா — வலுவானவர்
128. மந்திர: — துறவறம் பெற விரும்பியவர்
129. மஹாபுருஷ: — (பூர்ணா) நதியில் உடல் முழுவதும் நனைத்தவர்
130. மஹாபுருஷ: — முதலை பிடித்ததை வ்யாஜமாகக் கொண்டு தாயிடம் துறவறத்திற்கு அனுமதி பெற்றவர்
131. மஹா: — (உடனே ஆபத்) ஸந்த்யாஸம் பெற்றவர்
132. மந்திர — புலன்களை அடக்கியவர்
133. மந்திர — ஸந்த்யாஸ மந்திரத்தை உச்சரித்தவர்
134. மஹாபுருஷ: — ஸம்ஸார (வாழ்க்கையை) தியாகம் செய்வதில் முனைந்தவர்
135. மந்திர — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்
136. மந்திர: — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. மந்திர: — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. மந்திர: — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. மந்திர — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. மஹாபுருஷ: — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. மஹாபுருஷ: — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. மஹாபுருஷ: — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்
143. மஹாபுருஷ: — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. மஹாபுருஷ: — காவியை உடுத்தியவர்
145. மஹாபுருஷ: — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்

146. ரேவிரூரூவரூய: — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. ருரிமரூரூரி — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. மூரூரூரூய: — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)
149. மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்) நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை ஏற்படுத்தியவர்
151. வித்யவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன் வாதம் புரிந்தவர்
152. பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்
154. யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு (கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை எடுத்து வந்தவர்
156. (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய) ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை செய்தவர்
158. நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்
159. காச்மீரம் முதலான இடங்களில் வசித்தவர்
160. கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
161. ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான கேஷத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. மூரூ: — நல்லறிவு உள்ளவர்

163. க்ருக்ஷேத்ரிசூத்ரு: — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை, கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. ஸிதம்பரநரதி: — மண்டன மிசர் (மற்றும் அவரது பத்னியான) பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. பரகாயப்ரவேசமபுபாஸ்தமநரந: — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்
166. குருநிர்மபுலநரநரகநரந: — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது) குறைவில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. பரநரநரநரநரநரநரநரந: — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. க்ருநரநரநரநரந: — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக் கொண்டவர்
169. தோகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. குணக்கடலானவர்
172. விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. உத்தமமான குரு
175. குருமார்களுக்கரசர்
176. நல்ல குணம் உடையவர்
177. (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)

180. निम्भः — மமதையற்றவர்
181. नरकासुरिः — நரகத்திற்கு எதிரி
182. नभृः — வணங்கத்தக்கவர்
183. नषः — தலைவர்
184. निरङ्गः — அப்பழுக்கற்றவர்
185. निम्बूः — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. निष्कलः — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. निरुः — என்றும் இருப்பவர்
188. नभरूपविवेकवान् — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. नलीकः — பொய்யற்றவர்
190. निक्षिप्यः — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. नीरुक् — வலியற்றவர்
192. निरामीः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. निरभयः — வியாதி இல்லாதவர்
194. निरुतिः — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. निःशृणकारः — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. निःशृणुता — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. निरीश्वरः — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. नीरूपकः — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. निशुः — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. निष्क — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)

201. निवृषः — துக்கமற்றவர்
202. वमी — வசீகரிப்பவர்
203. निज्ञेयः — பற்றில்லாதவர்
204. निवृषः — என்றும் வலுவானவர்
205. रुषः — உற்சாகமுள்ளவர்
206. दुष्प्रसूयः — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆஸ்ரயிக்கப்படுபவர்
207. भारुङ्गरी — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. भविष्यः — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. भुरिः — தத்துவமறிந்தவர்
210. भावङ्गुरुः — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. वभी — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. भञ्ज — உண்மை வடிவினர்
213. भाङ्गना — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. भाङ्गिकः — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. भट्टः — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. भवभिडुः — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. भुराङ्गुकः — காமனை அழித்தவர்
218. भमिष्टुः — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. भङ्गनी — (வேத தாற்பரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. रुङ्गना — மூத்தவர்
221. गली — சக்திமிக்கவர்
222. वाग्नी — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்

223. भिडैत्रिड्डा — அளவோடு பேசுபவர்
224. वाग्धमः — பேச்சை அடக்கியவர்
225. वरिष्ठः — மிக உயர்ந்தவர்
226. वृष्टापाष्टाधिकपदः — உரைகளை சரித்திரங்கள் (போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. परमः — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. परितुः — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. पूरुः — பக்குவமானவர்
230. पूरुः — அறிவாளி
231. पीडः — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. पिव्वरुः — பிரியமாக பேசுபவர்
233. पूउदी — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. रूवेगी — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. पूरुः — வணங்கிய இயல்பினர்
236. पूनिरुपूः — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. परङ्गुः — எல்லையை அடைந்தவர்
238. परमभुतुः — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. परविडा — பரத்தை அறிந்தவர்
240. पूउगीरिडा — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. मरिष्ठारविडा — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை அறிந்தவர்
242. मृष्टः — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. रकवादी — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. मृष्टमरुः — இரட்டையை ஒப்பாதவர்

245. ஃ௩: — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. ஃ௩௩ — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. வி௩௩ — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. ஃ௩௩ — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. ஃ௩௩: — தானே ஒளிர்பவர்
250. ஃ௩௩: — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. ஃ௩ — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. ஃ௩: — உருவமில்லாதவர்
253. ஃ௩: — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. ஃ௩ ஃ௩ — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. ஃ௩ ஃ௩ — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்
257. ஃ௩ ஃ௩ — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. ஃ௩ ஃ௩ — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. ஃ௩ ஃ௩ — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. ஃ௩ ஃ௩: — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. ஃ௩ ஃ௩ — மிகுந்த சாந்தமே சொருபமானவர்

267. ப்மா஁஁: — திருப்தி செய்பவர்
268. ப்஁஁஁஁஁஁஁: — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. ப்மா஁஁ — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. ப்஁஁஁஁஁஁஁ — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. ஁஁஁஁ — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. ஁஁஁஁஁ — உலகை உருவாக்கியவர்
273. ஁஁஁: — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. ஁஁஁஁஁஁஁஁஁஁: — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும் தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. ஁஁஁஁: — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. ஁஁஁஁: — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. ஁஁஁஁: — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. ஁஁஁஁஁஁: — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. ஁஁஁஁஁஁: — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. ஁஁஁஁: — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. ஁஁஁஁஁஁஁: — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்
282. ஁஁: — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. ஁஁஁஁ — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. ஁஁஁஁஁஁஁஁஁: — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. ஁஁஁஁஁: — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. ஁஁஁஁: — சத்தியமே வடிவானவர்
287. ஁஁஁஁஁: — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. ஁஁஁: — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்

289. கஃபநித: — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
 290. ஈரஹித: — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
 291. பஃ — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
 292. ஈரிஈரஈஹித: — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
 293. துமஹிநிஹித: — வியாசர் ஜெமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
 294. ஈரஹித: — சாரதையை வென்றவர்
 295. பஃ — அடக்கம் கொண்டவர்
 296. பூஹித: — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
 297. பூஹித: — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
 298. துஹித: — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்
 299. துஹித: — உமித்தீக்ஷட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
 300. துஹித: — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
 301. கஹித: — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
 302. துஹித: — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற துர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
 303. கஹித: — கலியை நாசம் செய்பவர்
 304. துஹித: — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
 305. துஹித: — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
 306. துஹித: — அளவற்ற பொலிவுடையவர்

307. **ஈதஈநபுதிஹுமூநேசுரநம:** — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. **வீமேபிகவிமேபேதிவிமேபவிமேப:** — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. **நிரமூநீதிமூநீமீவரூகவதூகம:** — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. **காஜீநகரநிமூதூரமேநநுபாதி:** — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. **வரமலயநிமூதூ** — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. **ரகமூநபபேதூ:** — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. **குருமூநிகுலாநாநூபந:** — (காமாக்ஷி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குறையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்
314. **காலபந:** — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. **காமகேதூரநீ:** — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. **காமகேரபம:** — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆஸ்ரயித்தவர்
317. **காமாநீவரிவமூதூ** — காமாக்ஷிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. **காலநமூநீவரந:** — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. **ஹூமேபநமூபுபமேபாநலமிர:ப:** — ஸேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச்செய்தவர்
320. **நீ:** — தெய்வீகமானவர்
321. **நீநூநூவநமே நம:** — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்

322. பீனரநீ — தீனர்களை காப்பவர்
323. டாபரு: — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. டீவடீவ: — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. பீனரநீ: — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. டயிடு: — அன்பிற்குரியவர்
327. பீனரீரூகா — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. டீபடா: — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. டுஹிபு: — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. டுஹிபு: — துர்வாசரால் சிலாதிக்கப்பட்டவர்
331. டுடா: — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்
332. டுஹிபு: — பொருள் முதலியவற்றில் ஆசையை விட்டவர்
333. டீபடா: — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. டுடா: — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்
335. பீனரநீ — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. டீபடா: — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்
337. டுஹிபு: — ஏழ்மையை கட்டுப்படுத்துபவர்
338. டயிடு — தயை உடையவர்
339. டுஹிபு: — புத்தியில் உள்ள குறைகளை மிச்சமில்லாமல் சிதைப்பவர்
340. டுஹிபு: — அத்வைதத்தின் வைபவத்தை விஸ்தாரம் செய்தவர்
341. டுஹிபு: — க்ஷேத்ராடன முறைப்படி முழு பாரத மண்டலத்தையும் சுற்றியவர்
342. கீலாபமேவீ — கைலாசத்தை சேவித்தவர்

343. गन्तीनरायणपदम्यः — பத்ரிநாராயணரின் பாதங்களை ஆசிரயித்தவர்
344. कामरूपिनः — காமரூபம் (அஸ்ஸாமில் உள்ள தேவியை) அர்ச்சித்தவர்
345. कामः — காமம் இல்லாதவர்
346. कामीरिवरमेवकः — காசமீரத்தில் ஈசனுக்கு சேவை செய்தவர்
347. अवन्तीवराकाशेष्टभावाकाशीभनीप्यः — அவந்தீ த்வாரகா அயோத்யா மாயா காஞ்சீ ஆகிய க்ஷேத்ரங்களை விரும்பியவர்
348. कालीभरुगिरिवरभुद्वीप्यगः — காளிகட்டம், ஹரித்வார், ஜம்பு (ஜம்மு) தேவி, பிரயாகை ஆகியவற்றுக்குச் சென்றவர்
349. श्रीमैलमणवृषपुष्टभनीभगः — ஸ்ரீசைல ஈசன், ஜகந்நாதம், புருஷோத்தமம், பீம் (சங்கர க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
350. भुक्केष्टिनीविभूवाभिनीमेवनापरः — தர்யம்பகம், உஜ்ஜயினி, விந்த்யவாசினி (க்ஷேத்ர தெய்வங்களை) ஆர்வத்துடன் வணங்கியவர்
351. मेरुकृकुभारीगः — சேது, கன்யாகுமரி (க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
352. एनारुनएनारु — ஜனார்த்தன (க்ஷேத்ரத்தில் இருந்த) ஜனங்களின் கஷ்டத்தைத் தொலைத்தவர்
353. मनपुप्रवैषाध्वधामलपदम्यः — திருவநந்தபுரம், வ்யாக்ர (க்ஷேத்ரம்) மற்றும் திருச்சூரை நாடியவர்
354. कालीकलः — காலடியில் (பிறந்த ஞான புஷ்டியுடன் கூடிய) யானைக்குட்டி
355. कलः — (காரியங்கள் செய்வதில்) திறமிகுந்தவர்/முனைந்தவர்
356. भरःमरापीरः — குளங்கள், (அவற்றின் கரைகளில் அடர்ந்திருக்கும்) புல்லுகள், நீர்வீழ்ச்சிகள் (இடையே) ஸஞ்சரித்தவர்
357. कृष्णकलपपुष्पैरमैलभनीरः — கர்ணாடகம், ஆந்த்ரம், பாண்டியம், சேரம் மற்றும் சோழ நாடுகள் அனைத்திலும் ஸஞ்சரித்தவர்
358. श्रीनीपडिबृगैरकाशैउवनाम्यः — வில்வவனம் (வைகாவூர்), நீபவனம் (ஆலவாய்), தில்லைவனம் (சிதம்பரம்), ஆலங்குடி, சாயாவனம் (சாயக்காடு), வெண்காடு (ஆகியவற்றை) நாடியவர்

359. **भार्गविरक्षभप्राज्ञमविप्राम्यः** — மதிக்கப்பெறும் ஸ்ரீரங்கம், மதுரை, மருதூர், வில்லிபுத்தூரை நாடியவர்
360. **श्रीपलाश्वरीरक्षप्राज्ञमुच्यते** — அகிலாண்டேஸ்வரிக்கு ரத்ன தாடங்கமாக யந்திர ராஜமாகிய (ஸ்ரீசக்ரத்தை) அணிவித்தவர்
361. **काष्ठीगुणमूढमुद्रापरिभूः** — காஞ்சீ (கேஷத்ர பிலாகாசமாகிய) குறையை மூடும்படி (ஸ்ரீ)சக்ர ராஜத்தை மூடியாக வைத்தவர்
362. **सुभृष्टैर्निलाकमलिङ्गमेवापुत्रः** — பூமி, ஜலம், தேஜஸ், காற்று, ஆகாசம் (ஆகிய பஞ்ச பூத கேஷத்ரங்களான காஞ்சீ, திருவானைக்கா, திருவண்ணாமலை, காளஹஸ்தி, சிதம்பரம் இங்குள்ள) லிங்கங்களை ஸேவிப்பதில் ஆதரவு கொண்டவர்
363. **मृद्वुलभूषी** — ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) கேஷத்ரத்தில் வஸித்தவர்
364. **कामकौटिभाम्बुः** — காமகோடி மடத்தை நிலைப்பிடமாக கொண்டவர்
365. **पिन्ध्रभरुमुभैलिङ्गः** — சிதம்பர ஸபையில் மோக்ஷ லிங்கத்தை வைத்தவர்
366. **मलिङ्गकः** — (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாக) தனிப்பட்ட அடையாளம் இல்லாதவர்
367. **रमुङ्गम्भृङ्गैलिङ्गः** — ருஷ்யசிருங்கர் ஆசிரமத்தில் போக லிங்கத்தை வைத்தவர்
368. **रउभूरी** — (உலகெங்கும் பரவியிருக்கும் ஸத்யத்தை அறிவதற்கான) ருதம்பரா (ப்ரஜைஞ எனப்படும் ஞானத்தை) கொண்டவர்
369. **मारणभार्गवैसः** — சாரதையால் மதிக்கப்பட்ட (நீ பூமியில் ஆங்காங்கு இருந்து மக்களுக்கு அருள வேண்டும் என்ற) வேண்டுகோளை விடுத்தவர்
370. **मवः** — எல்லாம் அறிந்தவர்
371. **मवपापुत्र** — எல்லா பாபங்களையும் நீக்குபவர்
372. **मारणभम्भृपुमारपीपावः** — சாரதையின் நிற்பிடத்தில் சாரதா பீடத்தை நிறுவி பவித்ரமாக்கியவர்

373. **मरुत्तुपुनपुत्तुमृगिरिभूतः** — சாரதையை ஸ்தாபித்ததால்
ருச்யச்ருங்ககிரியை சிறப்படையச்செய்தவர்
374. **ममरीरवणैवृत्तकामकैरिभंभिः** — அசரீரியின் சொல்படி காஞ்சி மடத்தை
நிறுவி வளர்த்தவர்
375. **कामकैरिभरुपींभपृत्तुमृभरुभः** — காமகோடி மஹா பீடத்தில்
காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. **कलः** — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. **कभपुक्** — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. **कः** — அன்பிற்குரியவர்
379. **मरुत्तुलैवृत्तुपुः** — சாரதையையே ஜயிக்கும் வாக்கை வாயில் கொண்டவர்
380. **कामकैरिपुः** — காமகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல்
(இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. **कमृत्तुलैवृत्तुपुः** — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்
382. **मिधुमपुः** — சிஷ்யர்கள் கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்)
ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான) ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்
383. **भरुपुः** — மடங்களின் ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத்
தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது என்ற கேரள (தேசத்தில்
ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. **पुः** — தீர்த்த முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய
ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாகுபடுத்தியவர்
385. **मृः** — (அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு
ஆநந்த இந்திர (என்ற இரு) பதங்களும் (தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கான)
முறையையும் (வகுத்தவர்)
386. **मृः** — ஆநந்தமய (அதிகாரண தெளிவாக்கத்தால்
லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஜயித்து
புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்

387. **வேமரணநிரத:** — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில் முனைந்தவர்
388. **வேம:** — யோக்யதை உடையவர்
389. **வேமநிரத வர:** — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. **மேம:** — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. **மேம:** — அசைக்க முடியாதவர்
392. **மேம:** — மென்மையானவர்
393. **மேம:** — அழியாதவர்
394. **மேம** — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. **மேமநிரத:** — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. **மேமநிரதமேமநிரத:** — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சி) க்ஷேத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. **மேமநிரத** — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. **மேமநிரதமேமநிரதமேமநிரத:** — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. **மேமநிரதமேமநிரதமேமநிரத:** — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. **மேமநிரத:** — சோர்வில்லாதவர்
401. **மேமநிரத:** — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. **மேமநிரத:** — நன்னடத்தை உடையவர்
403. **மேமநிரத:** — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்
404. **மேமநிரதமேமநிரத** — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்

405. ஃ௩௩௩௩௩௩௩௩ — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்
406. ஃ௩௩௩ — குற்றமில்லாதவர்
407. ஃ௩௩௩ — வெல்ல இயலாதவர்
408. ஃ௩௩௩ — தாபப்படாதவர்
409. ஃ௩௩௩ — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. ஃ௩௩௩௩ — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. ஃ௩௩ — சுத்தமானவர்
412. ஃ௩௩ — தன் சொருபத்தை அறிந்தவர்
413. ஃ௩௩௩ — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. ஃ௩௩ — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. ஃ௩௩ — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. ஃ௩௩௩ — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. ஃ௩௩௩ — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஒளிரப்பெற்றவர்
418. ஃ௩௩௩௩ — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. ஃ௩௩௩ — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. ஃ௩௩௩௩ — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. ஃ௩௩௩௩ — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. ஃ௩௩௩ — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. ஃ௩௩௩௩ — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. ஃ௩௩௩ — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. ஃ௩௩௩ — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்

426. भद्रैः — பெரும் காரியத்திறன் பெற்றவர்
427. भद्रभूतिः — பெரும் முனிவர்
428. भद्रवीथः — மதிக்கத்தக்கவர்
429. भद्रभट्टः — பெரும் (ஆத்ம) பலத்தை கொண்டவர்
430. भद्रभट्टः — மரியாதைக்கு உரியவர்
431. भद्रभूतिः — பெரும்பொருளை அறிந்தவர்
432. भद्रभूतिः — மாயா தத்துவத்தை அறிந்தவர்
433. भद्रभूतिः — பதட்டமில்லாதவர்
434. भद्रभूतिः — பூ மண்டலத்தில் (தலைசிறந்த) பண்டிதர்
435. भद्रभूतिः — தாயாரின் க்ருத்யத்திற்கு ஒத்தாசை செய்யாத கேரள ப்ராஹ்மணர்களுக்கு சாபம் அளித்தவர்
436. भद्रभूतिः — நினைத்தவுடன் (வருவேன் என்ற) தாயிடம் செய்த ப்ரதிஜ்ஞையை சொல்லியவண்ணம் செய்தவர்
437. भद्रभूतिः — (சிவனார் வடிவில்) ஸூர்யனையும் சந்த்ரனையும் கண்களாகக் கொண்டவர்
438. भद्रभूतिः — தோளைக் கடைந்ததால் உருவான அக்னியால் தாய்க்கு தீயளித்தவர்
439. भद्रभूतिः — ரஸமான (பரம்பொருளை) அறிந்தவர்
440. भद्रभूतिः — வேத ஸாஸ்த்ரங்களின் சுவையை அறிந்தவர்
441. भद्रभूतिः — ஆசை துவேஷம் ஆகியவற்றை நீக்குபவர்
442. भद्रभूतिः — மகத்தானவர்
443. भद्रभूतिः — ராஜ யோகி
444. भद्रभूतिः — விரும்பியதை அடைந்தவர்
445. भद्रभूतिः — ஆசைகள் இல்லாதவர்

446. भाउवङ्गलः — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்
447. कामउत्कलापूककायउरनिवेमनः — காம ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. कवुरङ्गविनिम्नलङ्कैङ्कविपुषः — (அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற புகழைப் பெற்றவர்
449. भाएट्टएट्टमिडिः — இனிமையில் முன்னிற்கும் சொற்களைக் கொண்டவர்
450. भएराणीमभानिउः — மதுரையை (ஆண்ட) அரசனால் மதிக்கப்பட்டவர்
451. ऐडिःपुरेमविउः — ஜ்யோதிபுரத்தின் அரசனால் வணங்கப்பட்டவர்
452. पारेण्यपुरमिडिः — ஜயபுரத்துக்கு அப்பாலும் வசித்தவர்
453. विरुपाङ्गमुलामेवी — விருபாக்ஷ தலத்தில் நெடிது தங்கியவர்
454. विण्यापृप्रीणरः — விஜயபுரத்திற்கு (விஜயம்) செய்தவர்
455. विमिमाट्टमविरुडिः — விதிஸா தேசத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
456. विम्वनापपट्टपिषः — விஸ்வநாதபுரியான (காசியை) விரும்பியவர்
457. पाएलीपुङ्गभूतः — பாடலிபுத்திரத்தில் தங்கியவர்
458. विष्णुपाट्टपुमेवनः — (கயா) விஷ்ணுபாதத்தை நன்கு சேவித்தவர்
459. गवावएट्टमुलभूः — கயாவில் ஆலமரத்தடியில் தங்கியவர்
460. एट्टमलनिरुमणीः — பத்ராசலத்தில் ஆழ்ந்த அபிமானமுள்ளவர்
461. वृण्वनाउमसृग्री — பிருந்தாவன பகுதியில் சஞ்சரித்தவர்
462. वृभाणलविलाम्यः — வ்யாஸாசல குறையையும் அண்டியவர்
463. उङ्करकुङ्गविरुडिः — ஓங்கார குண்டத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
464. भल्लिकान्त्रभयणीः — மல்லிகார்ஜுனத்தில் ஆழ்ந்துள்ள மனத்தினர்
465. मीपङ्गनापङ्गमृमिपृषङ्गनिषेविउः — திருவையாற்றில் சிவபெருமானின் அடியார்கள் குழுவினால் வணங்கப்பட்டவர்
466. मङ्कैविलगुणरभः — அஹோபில குகையில் ஓய்வெடுத்தவர்

467. कभलाः — தாமரைக்கண்ணர்
468. कलानिधिः — கலைகளுக்கு இருப்பிடமானவர்
469. कलिशंभी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
470. कभरूपः — தன்னிச்சையில் உருவை மாற்றிக்கொள்ளக்கூடியவர்
471. कभरारः — விரும்பிய இடத்திற்கு செல்லவல்லவர்
472. कलभयः — கலைகளே வடிவமானவர்
473. परमेशी — பரம்பொருளில் நிலைத்தவர்
474. वसपुनः — ப்ராணனை வசப்படுத்தியவர்
475. कभानीमवैशुकः — காமாக்ஷியை சேவிக்க விரும்பியவர்
476. पुनः — உயிர் அளிப்பவர்
477. पुनी — அன்பிற்குரியவர்
478. पुः — வலுவானவர்
479. भवउपुउपुः — எல்லா சாஸ்த்ரங்களிலும் ஸ்வதந்த்ரமாக ஸஞ்சரிக்கவல்ல புத்தியைக் கொண்டவர்
480. उपुः — ஆத்ம தளைகளற்றவர்
481. नभिकउपुः — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. पुः — மிக்க புத்திமான்
483. मुभनशुविः — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. नृपुकेः — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்
485. नृपुनिधिः — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. नृः — பாதிக்கப்படாதவர்
487. नृः — சாமர்த்தியமானவர்
488. नृनिधिः — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்

489. कालव्यविति — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. मुमुक्षुः — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. मुनिः — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. मुनीश्वरः — சாதாரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. शृङ्गपालिकभञ्जः — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. कभिनीविभाषः — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்
495. कभूः — நண்பனாக கருதத்தக்கவர்
496. कर्मनुष्ण — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. कर्मन्तः — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. कृती — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. कल्याणकुण्डलः — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. क्रियभृत् — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. कृपाशरः — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. कीर्तिभञ्ज — புகழுடையவர்
503. कुत्रैगमप्रवृत्तसङ्गः — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. पद्मिन्पुष्पसृष्टीमालाचक्रपात्रिः — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. वेदवृक्षः — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. सनत्पुः — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. त्रिभुवनारिः — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. त्रिपालमहूपालवृक्षवैपमकुत्र — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்

509. कैलाभकुम्भसूयमुपवृत्तविधिः — கைலாஸ பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. भैरवउत्थितिस्त्वामपदः — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்
511. वैराग्यैषकः — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. भृणीभर्त्तुः — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. दिव्यदक्षी — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. देवदेवुरुग्र — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. मरुतः — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. पुमत्रकभलामृदुरिद्राक्षणीविधिः — ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம் கொடுப்பித்தவர்
517. मधुलकुम्भप्राप्तमधुमिक्षित्तुः — முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை உடையவர்
518. विष्णुपरिपुत्रैवाभिपुङ्गवमंसयः — சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்
519. हरिहरवैकुण्ठभूम्याङ्कितैरवः — (நரஸிம்ஹரின் மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால் பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. मभामित्रपुत्राङ्कितपुत्रः — தன்னை அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை செய்யப்பெற்றவர்
521. नभःमैत्री — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. नभपरः — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. नक्षत्रमैधविष्णुः — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழுற வைத்தவர்
524. एकद्वैती — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்) சேர்ந்தவர்
525. कषायी — கஷாயம் தரித்தவர்

526. ஸ்ரீ — (தலையை) முண்டனம் செய்து கொண்டவர்
527. ஸ்ரீமஹி: — பெளத்தத்தை கண்டித்தவர்
528. ஸ்ரீமஹி:மிஹிமஹி: — சித்தர்கள் என்று (தம்மைத்தாமே சொல்லிக்கொள்ளும்) திகம்பரர்களின் சித்தாந்தங்களை நசுக்கியவர்
529. ஸ்ரீமஹி: — மல்லிகைகளைப் போன்ற வெண்ணிற பற்களை உடையவர்
530. ஸ்ரீமஹி: — பெண்களின் நினைப்பிலிருந்து மிகவும் விலகியவர்
531. ஸ்ரீமஹி: — காமத்தின் எதிரி வடிவானவர்
532. ஸ்ரீமஹி: — ஆநந்தமும் உதஸாஹமும் கொண்டவர்
533. ஸ்ரீமஹி: — விரும்பத்தக்க குணங்கள் இருக்கும் சுரங்கம் போன்றவர்
534. ஸ்ரீமஹி: — (சந்த்ரனிலிருந்து உருவான) நர்மதா நதிக்கரையில் ப்ரஸந்நமான கோவிந்த (பகவத்பாதருக்கு) ஸேவை செய்தவர்
535. ஸ்ரீமஹி: — மாலிகாப்ரியன் என்ற சாளுக்ய அரசனால் (கனகாபிஷேகாதிகளால்?) உடல் முழுதும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
536. ஸ்ரீமஹி: — (நான்கு) ஆசிரமங்களை தாண்டிய நிலையை அடைந்தவர்களில் தலைசிறந்தவர்
537. ஸ்ரீ: — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வமாக (தாமே ஆனவர்)
538. ஸ்ரீமஹி: — அண்டியவர்களுக்கு கற்பக வருஷமானவர்
539. ஸ்ரீமஹி: — களைப்பற்றவர்
540. ஸ்ரீமஹி: — காற்றினால் தூண்டப்பட்ட (அலைகள் கொண்ட நதிகளில்) ஸ்நானம் செய்தவர்
541. ஸ்ரீமஹி: — (காலடியில்) கும்பமுனியை தரிசித்தவர்
542. ஸ்ரீமஹி: — தாமாகவே குனிந்து மரங்களின் நுனிக்கிளைகள் அர்ப்பணித்த பழங்களை உண்டவர்

543. **वद्वल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — பொழியும் மேகங்கள் கொட்டும் நீர்ப்பெருக்குடன் (கூடிய) பாதைகளில் (பாதிப்பின்றி) செல்பவர்
 544. **मभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — கொழுந்துவிட்டெரியும் காட்டுத்தீ (விலகி) அளித்த பாதையால் காட்டை அடைந்தவர்
 545. **मभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில் ஸஞ்சரித்தவர்
 546. **मभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
 547. **वभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்
 548. **वभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — மௌனமாக இருப்பவர்
 549. **वभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — சிறந்தவர்
 550. **मभुल्लுक्केவ்வுத்திரபாரமபுரஃ** — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே அடங்கப்பெற்றவர்
 551. **पभुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — தூசிகளற்ற (சுத்தமான) பாதைகளில் சென்றவர்
 552. **उभारमीकरमुल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து) மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
 553. **भकरव्वारीभारमपुगः** — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
 554. **भकरव्वारीभारमपुगः** — பெரும் புலவர்
 555. **कभल्लुक्केव्वुत्तुत्तीरभारमपुगः** — அலைபுரளும் (நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
 556. **मभुल्लுक्केவ்வுத்திரபாரமபுரஃ** — (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்திரத்தின் நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
 557. **वैल्लुक्केव्वுத்திரபாரமபுரஃ** — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)

558. भुवमङ्गीवनेः — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. भुवमङ्गीवनेः — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. भुवमङ्गीवनेः — செருக்கை அழிப்பவர்
561. भुवमङ्गीवनेः — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. भुवमङ्गीवनेः — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)
563. लज्जुपुत्रः — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. भैवभिकक्षेत्रः — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. भैवभिकक्षेत्रः — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. भैवभिकक्षेत्रः — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. भैवभिकक्षेत्रः — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) செளகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. भैवभिकक्षेत्रः — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. भैवभिकक्षेत्रः — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. भैवभिकक्षेत्रः — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. भैवभिकक्षेत्रः — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. भैवभिकक्षेत्रः — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்

573. **மீவதூநிகாபூட:** — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. **மீவீரிகவாபூல:** — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. **மீவநாபிகபூம:** — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. **மீவாபிகபபூம:** — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்
577. **மீவநாமிகவாபூம:** — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. **மீவிராமிகமஹூ:** — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. **மீவதூபிகபூம:** — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. **மீபூபிகபூம:** — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. **மீவநாமிகமீகல:** — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. **மீவாபிகவீமந:** — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. **மீவநாமிகபூம:** — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. **மீவிலிபிகபூம:** — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. **மீவநாமிகபூம:** — கந்தராடையை உயர்ந்த வஸ்தரம் போல் தரிப்பவர்
586. **மீவநாமிகபூம:** — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. **மீவநாமிகபூம:** — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. **மீவநாமிகபூம:** — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. **மீவநாமிகபூம:** — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்

590. **பௌபுரிக்ஷாவிதா** — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டிருக்கலா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. **பௌபுரிக்ஷாவிதா** — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
592. **பௌபுரிக்ஷாவிதா** — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. **பௌபுரிக்ஷாவிதா** — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. **மகா** — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. **மகா** — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. **மகா** — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. **மகா** — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. **மகா** — தவைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. **மகா** — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. **மகா** — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. **மகா** — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. **மகா** — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. **மகா** — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. **மகா** — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. **மகா** — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. **மகா** — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர்) நிலைகள் அற்றவர்

607. ஸௌ: — வடிவழகு குன்றாதவர்

608. ஸௌ: — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைசூடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்

609. ஸௌ: — (தற்) பெருமையற்றவர்

610. ஸௌ: — (உலகச்) செயல்களாகிய ப்ரவாஹத்தை விடுத்தவர்

611. ஸௌ: — ஒப்பில்லா ஆனந்தத்தில் எப்போதும் திளைத்திருப்பவர்

612. ஸௌ: — (லௌகிக) ஸுகத்தை நிராகரித்தவர்

613. ஸௌ: — முடிவில்லாதவர்

614. ஸௌ: — வலியற்றவர்

615. ஸௌ: — (தனக்கென தனி) இடம் வைத்துக்கொள்ளாதவர்

616. ஸௌ: — பலவித கட்டுப்பாடுகளை திறம்பட நிர்வகிப்பவர்

617. ஸௌ: — நூற்றுக்கணக்கான குழாம்களுக்கு குற்றமற்ற அவைத பாதையைக் காட்டியவர்

618. ஸௌ: — ஸங்க்ஷேப ஸாரீரகம் செய்த ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு (தமக்கு பிறகு காஞ்சீ காமகோடி பீட) ஆஸனத்தை அளித்தவர்

619. ஸௌ: — நைஷ்கர்ம ஸித்தியை செய்தவரும் வார்த்திகத்தை செய்தவருமான ஸுரேஸ்வரரை (ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு முன்) அடுத்தவராக்கியவர்

620. ஸௌ: — எரிந்துபோன உரையின் ஐந்து பாதங்களை ஒப்பித்து பத்மபாதரை சந்தோஷப்படுத்தியவர்

621. ஸௌ: — ஆத்ம தத்துவத்தை உள்ளங்கை நெல்லிக்கனி போல் கொண்ட ஹஸ்தாமலகருக்கு துறவறமளித்தவர்

622. ஸௌ: — மிகவும் சுமாரான (திறம்கொண்டிருந்த) ஆநந்தகிரி (என்ற சீடர்) தோடகம் (எனும் யாப்பில் குருவைத் துதித்து

623. **मिथुनायादङ्गुष्ठमद्विपुत्रिभुम्भः** — சித்ஸுகாசார்யரால் இயற்றப்பட்ட தன் சரிதையால் விளக்கப்பட்ட ஆஸ்ரம (நிஷ்டையை) உடையவர்
624. **उपदेसभरुभृदिपुत्रिपुत्रेभ्यः** — உபதேஸ ஸாஹஸ்ரீ முதலிய (நூல்களால்) பரவலாக (பலரும் பயன்பெற) அத்வைதத்தை விளக்கியவர்
625. **सुभ्रायभृकनिर्मुखा** — (ஞான மார்க்கத்திற்கு ஸாதனமான) எட்டு ஆம்னாயங்களுக்கு வழிகாட்டி
626. **भपृभाभ्रावनिष्ठितः** — மத்யம (நடு) ஆம்னாயத்தில் (தானே முதல் பீடாதிபதியாக) நிலைத்தவர்
627. **विष्णुसूत्रमश्वमुत्तरागउपरागः** — (இந்த ஆம்னாயங்கள்) வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை த்வம்ஸம் செய்தவர்
628. **स्वरकभन्निगुता** — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. **कालिकापीठकः** — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. **भिस्त्रैश्वरमपदकुता** — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. **रुद्रकलीपुत्रादः** — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. **कश्यपः** — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. **कीर्वाणभूः** — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. **शैभरीतीरुमेवः** — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. **ध्रुपद्भ्रमादपद्भ्रमादिदेसकुता** — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. **सुम्भी** — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்

637. उडुभृमिभरुवृरुपवर्ग — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்
638. ऐडिङ्करः — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. ऐडिङ्गीपीन्दिमरुता — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்
640. गन्धम्भम्भुनः — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
641. मलकनवृवर्गः — அலகாநந்தாவில் நீராடியவர்
642. मुषवृक्षिरेवैदी — அதர்வாங்கிரஸ வேதத்தை அறிந்தவர்
643. मीपुल्लगिरिमेवकः — ஸ்ரீ பூர்ணாகிரி (எனும் தேவியை) சேவித்தவர்
644. गैवत्तनभीनः — (மூன்றாவது ஆம்னாயத்திற்கான) கோவர்த்தன மடத்தின் தலைவர்
645. गिरिवैगपएम्भः — (தஸநாமிகளுள்) கிரி என்ற யோகபட்டத்தை (சில ஸிஷ்யர்களுக்கு) ஆஸ்ரயித்தவர்
646. पुषेडुभम्भुनी — புருஷோத்தமரின் நல்ல க்ஷேத்ரத்தில் இருந்தவர்
647. विमलपीङ्कलकः — விமலா பீடத்தை முறைப்படுத்தியவர்
648. मउनः — (உலகாயத ஆனந்தத்தை விட) நூறு நூறு மடங்கு ஆனந்தம் கொண்டதாக (உபநிஷத்தில் வர்ணிக்கப்பட்டவர்)
649. मउरः — (அவ்வாறே) நூறு நூறு மடங்கு ஸக்திகளையும் கொண்டவர்
650. ममैन्विविनिर्गः — பத்து இந்திரியங்களையும் அடக்கியவர்
651. मीडुलिउममीमृमृगिरिम्भी — (நான்காவது ஆம்னாயத்திற்கு) அழகு கொழிக்கும் தேஸமாகிய ரும்யஸ்ருங்க கிரியில் தங்கியவர்
652. मरुवमनापुउवृपुपीन्दिरेवः — வ்யாக்யான பீடத்தில் அமரும்படி ஸாரதையின் வாக்கினால் அருளப்பட்டவர்
653. रामपुपुर्गरी — ராமசந்த்ரபுரம் என்ற க்ஷேத்ரத்தில் வசித்தவர்
654. उङ्गुमृउएम्भी — துங்கையும் பத்ரையும் (கூடுமிடத்தின்) தடத்தில் ஆஸ்ரமம் அமைத்தவர்

655. **वराहदेवताभारमार्गद्वयमक्तिरुता** — வராஹரை தேவனாகவும் ஸாரதையை ஸக்தியாகவும் கொண்டவர்
656. **सुरिवारी** — மிகுதியான (செல்வச்செழிப்பைத்) தவிர்ப்பதை (வ்ரதமாகக் கொண்டவர்)
657. **कृष्णवैद्यी** — க்ருஷ்ண யஜுர் வேதத்தை பயின்றவர்
658. **मीरारीपदः** — பெருமைக்குரிய பாரதி எனும் பட்டத்தை (ஸிஷ்யர்களுக்கு அளித்தவர்)
659. **विष्णुकापिष्ठनभूमलानिकरैमदका** — விபண்டக முனிவரின் இருப்பிடத்தில் உள்ள மலஹானிகரேஸரை தரிசித்தவர்
660. **विष्णुभक्तदेवभक्तरीषपदाम्यः** — (அதே கர்ணாடகத்தில் ஹம்பியில்) விருபாக்ஷ (க்ஷேத்ரத்தில் உள்ள) மஹாதேவரின் உயர்ந்த கோவிலை ஆம்ரயித்தவர்
661. **भरीभिभलीभानुभैलाभयभक्तगुरुः** — பண்டிதருலகு மதிக்கத்தக்க (ஐந்தாவது) மூல ஆம்னாயத்தின் (ஸ்தாபகரான) மஹாகுருவானவர்
662. **प्रपृष्टीष्टावाष्टीष्टाभयदिभैसिकः** — கிழக்கு, மேற்கு, தெற்கு, வடக்கு (ஆகிய மற்ற) ஆம்னாயங்களுக்கு முதல் ஆசானாகக் கருதப்படுபவர்
663. **प्रपृष्टाभयविष्टुष्टुभूमलकम्पुः** — கிழக்கு ஆம்னாயத்தில் வைக்கப்பட்ட ஹஸ்தாமலகரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
664. **प्रपृष्टाभयभक्तैसन्नविष्टुभयनः** — மேற்கு ஆம்னாயத்திற்கு உத்தரவிடப்பட்டதால் (பத்மபாதர் எனும்) சனந்தனரை சந்தோஷித்தவர்
665. **मवाष्टाभयनिष्ठपुष्पीणरनउद्दिक्** — தெற்கு ஆம்னாயத்தில் வைக்கப்பட்ட ப்ருத்வீதவரால் வணங்கப்பட்ட திருவடியினர்
666. **उदीष्टाभयननननगिद्विविष्टः** — வடக்கு ஆம்னாயத்தில் ஏற்படும் ஆனந்தத்துடன் ஆனந்தகிரியால் வணங்கப்பட்டவர்
667. **कभकेपीपी०पडिः** — காமகோடி பீடத்தின் அதிபதி
668. **कभवेगवतीपः** — கம்பா வேகவதீ நதிகளுக்கு இடையில் சஞ்சரித்தவர்

- 81

683. **மாபூயேனி:** — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. **மமவ்யயீ** — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை) ஒருங்கிணைத்தவர்
685. **புஷ்பபூஷ்ணலிங்கீ** — தெளிவாகவும் தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. **மாஹூயேகவிமமகூடா** — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை) பரிசீலித்தவர்
687. **வையகரணீமேரீ** — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை பரிசோதித்தவர்
688. **வமிஷு:** — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில் சமாளித்தவர்)
689. **கருமபூ:** — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக கொண்டவர்
690. **சேதமீயவரேமூரீ** — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட) வாதங்களை முடக்கியவர்
691. **வீமேதிகமடபரு:** — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. **சேதேநிமடேஹீ** — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. **வீமிநீயகூடேஹீ** — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. **பிங்மபரவ்யயு:** — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. **புபூபாபுபுதிக:** — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. **சூதாஹ்நிமூ:** — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. **பிதூகாவதாப:** — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. **விநேநிமூதபூயகமீரகபூ:** — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்
699. **பூபூதஸீவரரி:** — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. **விஷ்ணுவிமார:** — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்

701. பிழிபிபாவிசுரஃ — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. புலயாபுகாமக: — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. ம்மாபுத்புமபுதா — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்
704. மாபுத்புநிபுபு: — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. மபுலாவிசுரஃ — அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில் வல்லுநர்
706. ம்மாபுத்புமபுதா — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. ரமிகா ஸுரஃ — (அத்வைத) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. புநிபுநாபுமபுத்புமபுதா — உள்ளர்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ம்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. புநிபுநாபுமபுத்புமபுதா — ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. புநிபுநாபுமபுத்புமபுதா — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. ம்மாபுத்புமபுதா — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. நிரபுநாபுமபுத்புமபுதா — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களுையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்
715. இளைஞர்
716. (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்

718. **௮௧௧௧௧௧௧௧** — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. **௮௧௧௧** — தவமியற்றியவர்
720. **௮௧௧௧௧** — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. **௮௧௧௧௧௧௧௧** — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧** — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. **௮௧௧௧௧** — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. **௮௧௧௧௧௧௧** — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. **௮௧௧௧௧** — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. **௮௧௧௧௧௧** — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. **௮௧௧௧** — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. **௮௧௧௧௧** — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧௧** — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧** — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧௧** — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்
732. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧** — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. **௮௧௧௧௧௧௧௧௧** — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்

734. புநெஹுலமஹாரீ — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. ஹயமஹிவிஹவ: — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்
736. மஹாநாஹிஹாரீ — (இந்தர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. ஹயமஹிவிஹவ: — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. மெஹிவிஹவ: — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. புஹாஹிவிஹவ: — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. நிரஹிவிஹவ: — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. மீகர: — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. மஹிவிஹவ: — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. விஹிவிஹவ: — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா யோகி
744. பரமஹிவிஹவ: — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்
745. த்ரிபுரிதீர்த்ர: — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. யோகத்ரமஹிவிஹவ: — யோகத்தையே (பீடத்தின்) க்ஷேத்ரமாகக் கொண்டு அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. மீவிஹிவிஹவ: — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் கொண்டு ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. மஹி — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. மஹிவிஹவ: — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்

750. परम्पपरिष्ठा — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. मीमिक्षापूर्वदृष्ट — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. भाङ्कैकभवाङ्कः — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. ईश्वरः — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதந்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. मरुतः परः — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. निष्कलभयनिरुः — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. मरिचत्रिभुजः — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. मित्रिः — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. मन्त्रपीठविभुः — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. ध्वजद्विपदमयः — சுய அனுபவமே கேஷத்ரமாகக் கொண்டவர்
760. मूलभैरुमिनिज्ञेयः — (ஸாஸ்த்ரத்தில்) நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க (சொருபத்தினர்)
761. मस्तिष्कमभामयः — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக் கொண்டவர்
762. नरुषीरुः — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. नैन्द्री — ஆகாயம் (போன்று ஸூக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்) பார்த்தவர்
764. नरुः — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட பரம்பொருளானவர்)
765. मिष्कृतिमित्रः — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை சிந்திப்பவர்
766. पूर्वपूर्वी — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்

767. ௩௩ — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்புகளைக்) கொண்டவர்
768. ௩௩௩௩௩௩ — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. ௩௩ — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. ௩௩௩௩௩ — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட (ஸ்வரூபத்தினர்)
771. ௩௩௩ — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. ௩௩௩ — அழிவில்லாதவர்
773. ௩௩௩ — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. ௩௩௩௩௩ — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக இல்லாதவர்
775. ௩௩௩ — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. ௩௩௩ — பகுதிகளற்றவர்
777. ௩௩ — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. ௩௩௩ — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. ௩௩௩ — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. ௩௩ — நிறைவானவர்
781. ௩௩௩ — இருப்பாக இருப்பவர்
782. ௩௩௩ — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. ௩௩௩ — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. ௩௩௩ — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. ௩௩௩ — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. ௩௩௩ — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும்) ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)

787. துதிதா — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. துதித: — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. துதி: — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. துதிம: — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. துதிதா: — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. துதிதா — (உலகத்திற்கு கேஷமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. துதிதா: — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்
794. துதிதா: — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. துதிதா: — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. துதிதா: — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. துதிதா: — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. துதிதா: — (யுக்தியால்) சாதுர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. துதித: — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. துதிதா: — பிறைகுடி வடிவினர்
801. துதிதா: — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. துதிதா: — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)

- 89

- 90

840. திஃ — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. திதிபலவஃ — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. துரிமஃ — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. துரஃ — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. துஃ — புண்யமானவர்
845. துரஃ — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. துரஃ — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. திஃ — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. திஃ — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. திஃ — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்திரத்துக்கு குரு
850. திஃ — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. திஃ — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. திஃ — (ஸுபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. திஃ — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. திஃ — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. திஃ — அடக்கமானவர்
856. திஃ — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. திஃ — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. திஃ — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்
859. திஃ — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. திஃ — ஸுரீயன் போன்ற நிறத்தினர்

861. रुरिपिचः — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. रुद्धभट्टभट्टः — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. रुभक्तुमलः — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. रुनिवृष्टिः — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. भट्टः — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. भट्टपतिः — ஸபைக்கு தலைவர்
867. भूमी — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. भृतिः — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. भृष्टपुरुः — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. स्निवेशीउलभृशुः — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. स्निग्धीरुतिउद्धृक्का — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. लब्धुमेधभृशुः — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. लक्ष्केष्टुशायकः — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. ललिउङ्गः — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. लयल्लु — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. लक्ष्मः — தன்னை அடைந்தவர்
877. लक्ष्मन्ः — கிடைத்த (தன் சொருபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. कभृकठः — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்
879. कलिश्रुभी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்

880. कलृ॒ण॑ — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. कल॒श॑निः — அழகிய குரலுடையவர்
882. रु॒षि॒उ॒रु॒वा॒नि॒म॑तः — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. रु॒गः — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. रु॒भ॒र॒म॑वि॒तः — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. य॒ग॒वि॒त॑ — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. यै॒ग॒वि॒त॑ — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. य॒तुः — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. य॒मै॒तः — புகழை அளிப்பவர்
889. य॒भ॒पि॒यः — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்
890. उ॒ङ्क॒र॒वृ॒रु॒डि॒वृ॒गः — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள் இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. न॒भि॒उ॒र॒डि॒भ॒ण॑तः — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று) வணங்கச்செய்தவர்
892. न॒ग॒मै॒ल॒मि॒र॒ञ्ज॒री — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. र॒भ॒गि॒ट॒म्भ॒म॑यः — ராமகிரி ஆம்ரமத்தை ஆம்ரயித்தவர்
894. व॒दि॒उ॒रु॒प॒तः — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. म॒वः — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. म॒पी॒नः — ஏக்கமற்றவர்
897. भे॒ट॒भे॒ट॒तः — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்
898. य॒दि॒ग॒ट॒वि॒वै॒क॒ण॑तः — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து அறிந்தவர்
899. य॒उ॒पी॑ — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. य॒उ॒रु॒व॒नः — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
901. उ॒ङ्क॒री — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்

- 94

924. ழு: — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. ழு: — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. ழு: — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. ழு: — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. ழைமய: — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. ழு: — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. ழு: — மங்களம் செய்பவர்
931. ழு: — தூயவர்
932. ழு: — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. ழைவர: — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. ழு: — துறவி வடிவினர்
935. ழு: — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. ழு: — பொறுமைசாலி
937. ழு: — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. ழு: — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. ழு: — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. ழு: — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. ழு: — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. ழு: — ஒளி வீசுபவர்
943. ழு: — மகிழ்பவர்
944. ழு: — மகிழ்விப்பவர்
945. ழு: — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. ழு: — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்

947. ஃ௩௩: — தூலமாக இல்லாதவர்
948. ஃ௩௩: — அணுவாக இல்லாதவர்
949. ஃ௩: — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொருபமானவர்)
950. ஃ௩: — மந்த்ர வடிவினர்
951. ஃ௩ — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. ஃ௩ஃ௩: — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. ஃ௩௩: — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வருபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. ஃ௩௩: — (விஸ்வருபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. ஃ௩௩: — (விஸ்வருபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. ஃ௩௩: — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. ஃ௩௩: — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. ஃ௩: — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. ஃ௩௩: — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. ஃ௩: — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. ஃ௩௩: — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. ஃ௩௩ — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. ஃ௩௩ — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. ஃ௩௩௩௩: — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்
965. ஃ௩: — அழிவில்லாதவர்
966. ஃ௩௩௩௩ — ஆகாஸத்தையே உடலாகக் (கொண்டு உள்ளுறைபவர்)
967. ஃ௩௩: — நிலம் அல்லாதவர்

968. மஃ௩: — நீர் அல்லாதவர்
969. மஃ௩: — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. மஃ௩: — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. மஃ௩: — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. மஃ௩: — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. மஃ௩: — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. மஃ௩: — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. மஃ௩: — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. மஃ௩: — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. மஃ௩: — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. மஃ௩: — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. மஃ௩: — சுவையில்லாதவர்
980. மஃ௩: — உருவில்லாதவர்
981. மஃ௩: — தொட இயலாதவர்
982. மஃ௩: — ஒலியற்றவர்
983. மஃ௩: — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. மஃ௩: — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. மஃ௩: — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. மஃ௩: — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. மஃ௩: — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. மஃ௩: — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்
989. மஃ௩: — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்

990. ஈ௧: — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. ஃ௩௧: — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. க௩௩௩ — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. ம௩: — எல்லாமும் ஆனவர்
994. ம்ம௩௩௩௩: — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. நி௩௩௩: — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. நி௩௩௩: — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. நி௩௩௩: — எப்போதும் முத்தர் ஆனவர் ?
998. நி௩௩௩: — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. ஈ௩௩௩௩௩௩௩ — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. ஈ௩௩௩௩௩௩௩: — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

